19 मई 2025
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

विकास और भ्रष्टाचार की कलई खुल जाती इसलिए प्रशासन ने रोका: पीके
5

चारमीनार के पास गुलजार हाउस नाम की बिल्डिंग में सुबह करीब 5.30 बजे लगी आग, मरनेवालों में महिलाएं व बच्चे भी

हैदराबाद में लगी भीषण आग ने छीन ली 17 जिंदगियां

- आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई, फिर धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया। इससे लोगों का दम घुट गया
- अगलगी के शिकार हुए दस घायलों की हालत गंभीर

एजेंसी/हैदराबाद

हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हाउस के नाम से बनी इमारत में रविवार सुबह अचानक आग लग गई और आग के तांडव ने 17 जिंदगियों को अपने आगोश में ले लिया। मरने वाले 8 लोगों में कुछ बच्चों के होने की खबर भी है। अभी तक आग लगने की वजह का पता नहीं लग पाया है लेकिन शॉर्ट सर्किट का अनुमान लगाया जा रहा है।

गुलजार हाउस में आग लगने सूचना फायर विभाग को सुबह करीब 6:30 बजे सूचना मिली थी। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोश हालत में मिले और करीब 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि अभी मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। पीएम मोदी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर शोक जताया है। वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। जिस बिल्डिंग में आग लगी है, वह शहर की फेमस इमारत है। यह आग शहर के सबसे बड़े आग हादसों में से एक बन गई है। दस घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें डीआरडीओ हॉस्पिटल, उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल और एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया है। दमकल विभाग के अनुसार, आग सुबह 5.30 बजे लगी। उस समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई। फिर धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया। इससे लोगों का दम घुट गया और उनकी मौत हो गई।

दमकल विभाग ने आग बुझाने के लिए 11 गाड़ियां भेजीं। ये गाड़ियां लैंगर हौज, मुगलपुरा, गौलीगुड़ा, राजेंद्र नगर, गांधी आउटपोस्ट और सालारजंग संग्रहालय जैसे कई स्टेशनों से आई थीं। बचाव कार्य में दो बचाव टेंडर, एक ब्रोंटो स्काईलिफ्ट, तीन पानी के टैंकर और एक रोबोट भी शामिल थे। आग लगने के कारणों की जांच अभी भी जारी है। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजानर सिम्हा के आदेश पर उस्मानिया जनरल अस्पताल में विशेष मेडिकल टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें आग दुर्घटना के पीड़ितों को 24 घंटे इलाज मुहैया कराएंगी। इन टीमों में प्लास्टिक सर्जरी, एनेस्थीसिया और जनरल सर्जरी जैसे विभागों के डॉक्टर शामिल हैं। वे हर समय इमरजेंसी मामलों को संभालने के लिए उपलब्ध रहेंगे। स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंगथू, चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. नरेंद्र कुमार, स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवींद्र नायक और हैदराबाद DMHO डॉ. वेंकट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। वे सभी पीड़ितों को विशेष देखभाल सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

पीएम राहत कोष से मृतक के परिजनों को 2 लाख देने की घोषणा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और एआईएमआईएम विधायक मुमताज अहमद खान ने भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने घायलों को तुरंत इलाज दिलाने के निर्देश दिए हैं। इस अग्निकांड को लेकर पीएमओ ने पीएम मोदी के हवाले से बयान जारी किया है। एक्स पर लिखा गया, हैदराबाद तेलंगाना में आग लगने की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे

हरसंभव मदद का दिया भरोसा

हादसे को लेकर तेलंगाना के मंत्री पोनम प्रभाकर ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने सभी को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग बहुत तेजी से फैल चुकी थी। इमारत में रहने वाले ज्यादातर लोगों की मौत हो गई है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पीड़ित परिवार से बात की है और सरकार की ओर से हर संभव मदद देने का भरोसा दिया है।

जिंदगी के लिए जद्दोजहद

महाराष्ट्र के सोलापुर में एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, आठ लोगों की मौत

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार तड़के एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग में आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल हैं। यह हादसा सोलापुर एमआईडीसी स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में सुबह करीब 3:45 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। मृतकों में फैक्ट्री के मालिक हाजी उस्मान हसनभाई मंसूरी, उनके परिवार के तीन सदस्य, जिनमें उनका डेढ़ वर्षीय पोता भी शामिल है। अग्निकांड में मरने वालों में चार श्रमिक शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि उसे काबू में करने में दमकल विभाग को करीब पांच से छह घंटे लग गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य जारी है। फैक्ट्री में लगी आग के कारण हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

केमिकल फैक्ट्री में डाइमिथाइल सल्फेट लीक, 13 लोग बीमार

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार तड़के एक केमिकल फैक्टरी में डाइमिथाइल सल्फेट लीक होने के बाद 13 कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि घटना बोइसर तारापुर एमआईडीसी की फैक्टरी में सुबह करीब 3 बजे हुई। डाइमिथाइल सल्फेट एक साफ, तैलीय तरल पदार्थ है, जिसमें प्याज जैसी हल्की गंध होती है। यह त्वचा और आंखों में जलन पैदा करता है। कदम ने बताया, जिस फैक्टरी में डाइमिथाइल सल्फेट लीक हुआ, वह एंटीऑक्सीडेंट बनाती है। यह रिसाव तब हुआ, जब यूनिट के प्लांट 4 से प्लांट 10 में डाइमिथाइल सल्फेट स्थानांतरित किया जा रहा था। रिसाव के बाद निकलने वाले धुएं से कर्मचारियों की आंखों में जलन हो रही थी। उन्होंने बताया कि रासायनिक पदार्थ के संपर्क में आने के कारण एहतियात के तौर पर 13 श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना उनके सेल को दोपहर 12:35 बजे दी गई। घटना की जांच औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय के सहायक निदेशक एसजी बब्बन की ओर से की जा रही है। बोइसर पुलिस ने भी घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू कर दी है।

आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते: शाह

एजेंसी/अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि उसने आतंकवाद नहीं रोका तो सिंधु नदी से एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उसके एयरबेस तबाह कर दिए। अमित शाह ने कहा कि जब पीएम मोदी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने साफ कर दिया था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा।

पड़ोसी देश को चेतावनी देते हुए शाह ने कहा कि आतंक का कारोबार रोकने तक वह सिंधु के पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस जाएगा। आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि आप आतंकवाद को पनाह देना चाहते हैं तो तमाम कारोबार खत्म कर दीजिए। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर पाकिस्तान के साथ बात होगी तो वह पीओके को वापस लेने और आतंकवाद को खत्म करने को लेकर ही होगी।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सेनाओं के सम्मान में गुजरात के अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा की अगुवाई की। इस दौरान उमड़ी भीड़ के बीच अमित शाह राष्ट्र ध्वज थामे जुलूस के आगे चलते दिखे। गृह मंत्री तिरंगा थामे हुए नल सरोवर चौकड़ी से एकलिंगजी रोड पर महाराणा प्रताप चौक तक पैदल चले। यहां उन्होंने 16वीं सदी के महान योद्धा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पैदल मार्च में हिस्सा लेने वालों में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, स्थानीय विधायक, भाजपा नेता, शिक्षक समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

मायावती ने भतीजे को बनाया चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर

एजेंसी/लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की ओर से रविवार को नेशनल बैठक आयोजित की गई। इसमें कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया। उन्हें आगे के कई कार्यक्रमों की जिम्मेदारी भी दी। साथ ही सावधानी बरतते हुए पार्टी को मजबूत बनाने की सलाह दी। बैठक में देश में बसपा के संगठन की मजबूती व सर्वसमाज के बीच जनाधार बढ़ाने पर गहन चर्चा हुई। पार्टी के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सेना द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई के लिए सभी ने भारतीय सेना की सराहना की।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश में आतंकी निरोधक उपाय जरूरी हैं। ताकि किसी का सुहाग उजड़ने से बचाया जा सके। प्रधानमंत्री द्वारा पाकिस्तान की परमाणु धमकी नहीं सहने की चेतावनी देना एक सही कदम है। यह भी जरूरी है कि कश्मीर पर अमेरिका या तीसरे पक्ष का दखल स्वीकार नहीं किया जाए। अपने आप पर भरोसा होना बेहतर होता है। सरकार इसका भी ध्यान रखे कि गौतम बुद्ध व बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनादर करके समाज में द्वेष न फैलाया जाए। इस पर राज्य सरकारें पूरी तरह रोक लगाएं। मायावती ने बहुजन वालंटियर फोर्स (बीवीएफ) को पहले की तरह संगठित करने पर बल दिया। ताकि देशभर में पार्टी के कार्यक्रम किए जा सकें। बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती ने सर्वसम्मति से भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी। उन्हें पार्टी के आगे के कार्यक्रमों की भी जिम्मेदारी दी। साथ ही यह भी कहा कि इस बार पार्टी व मूवमेंट के हित में हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए पार्टी को मजबूत बनाने में वह अपना सराहनीय योगदान देंगे।

सीएम हिमंत सरमा का आरोप... आईएसआई के बुलावे पर पाकिस्तान गए थे गौरव गोगोई

एजेंसी/दिसपुर

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई आईएसआई के बुलावे पर पाकिस्तान गए थे। उन्होंने पाकिस्तान की संस्था के साथ मिलकर काम किया। हमारे पास सारे सबूत हैं। हम 10 सितंबर तक हर सबूत पेश करेंगे। एक कार्यक्रम में सरमा ने कहा कि गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। मैं यह पहली बार कह रहा हूं। हमारे पास इसके दस्तावेज हैं। वह पर्यटन के उद्देश्य से नहीं गए थे। वह निश्चित रूप से प्रशिक्षण लेने के लिए वहां गए थे। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता पाकिस्तान सरकार के सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे और यह खतरनाक है। उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तानी संस्था के साथ मिलकर काम कर रहे थे। गृह विभाग कब निमंत्रण भेजता है? वह पाकिस्तान के गृह विभाग से सीधे निमंत्रण पर वहां गए थे।

लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर मारा गया

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर रजाउल्लाह निजामानी उर्फ सैफुल्लाह खालिद की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उसे सिंध प्रांत के मटली शहर के फालकारा चौक के पास मारा गया।

अबू सैफुल्लाह खालिद मालन क्षेत्र का निवासी था, लंबे समय तक कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा था। कश्मीर जिहाद से लौटने के बाद लश्कर-ए-तैयबा ने उसे गाजी अबू सैफुल्लाह की उपाधि दी गई थी। अबू सैफुल्लाह भारत में लश्कर के कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड था।

इन तीन हमलों में था सैफुल्लाह का दिमाग: रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर हमला- साल 2001 में उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले की साजिश रजाउल्लाह निजमानी ने रची थी। इस हमले में आतंकियों ने भारी गोलीबारी की थी, जिसमें सात जवान शहीद हुए थे।

बेंगलुरु में मचाया था तांडव: अबू सैफुल्लाह ने 2005 में बेंगलुरु में हुए सिलसिलेवार धमाकों की साजिश भी रची थी। इन धमाकों से शहर दहल गया था। आईटी कंपनियों और सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए हमला किया गया था।

आरएसएस मुख्यालय को निशाने बनाने की कोशिश: साल 2006 में नागपुर स्थित आरएसएस के मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला करने की कोशिश की गई थी। हालांकि सुरक्षाबलों ने हमलावरों को ढेर कर दिया। इस हमले के पीछे भी अबू सैफुल्लाह का ही दिमाग था।

यात्रा को कोविड-19 महामारी के चलते 2019 में कर दिया गया था बंद

अगले महीने नाथुला के रास्ते फिर शुरू हो रही कैलाश-मानसरोवर यात्रा

एजेंसी/नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के चलते 2019 में बंद हुई कैलाश-मानसरोवर यात्रा जून से नाथुला के रास्ते फिर शुरू होने जा रही है। यात्रा को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं यात्रा को लेकर तैयारियां भी जोरों पर हैं। इस बाबत सिक्किम में भारत-चीन सीमा पर यात्रा का मार्ग दुरुस्त किया जा रहा है। यहां तैयारियां अंतिम चरणों में है। इसमें बुनियादी ढांचे का विकास भी शामिल है। कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू होने का यहां के स्थानीय

निवासियों और 2016 की यात्रा में भाग लेने वाले आईके रसैली ने फिर से खुलने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यहां पर्यटन फिर से शुरू होगा और इससे स्थानीयों की आजीविका में सुधार होगा। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए सिक्किम मार्ग अपनी अच्छी सड़क कनेक्टिविटी के कारण सबसे सुरक्षित और सबसे सुलभ बना हुआ है।

काबी लुंगचोक के विधायक थिनले शेरिंग भूटिया ने भी सिक्किम के रास्ते यात्रा को फिर से खोलने की पहल का स्वागत किया है। इसके लिए उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों का आभार व्यक्त किया। भूटिया ने कहा कि सिक्किम शांतिपूर्ण राज्य है, जहां आतंकवादी गतिविधियों का कोई इतिहास नहीं है। इसके चलते यह मानसरोवर तीर्थयात्रियों के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग साबित हो रहा है। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि यात्रा शुरू होने से पहले मार्ग पर शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी।

गौरतलब है कि मानसरोवर यात्रा के लिए नाथुला मार्ग को फिर से खोलने की मांग सिक्किम के राज्यसभा सांसद डी.टी. लेप्चा ने संसद में उठाया था, जिसके बाद भारत सरकार और सिक्किम सरकार के बीच समन्वित प्रयास किए गए। नाथुला के रास्ते यात्रा को फिर से शुरू करने से न केवल तीर्थयात्रियों को राहत मिलेगी बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

अप्रैल में लोक शिकायत निवारण कार्यालय को राज्य में मिला प्रथम स्थान

- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत दायर परिवादों के निष्पादन में तीसरे स्थान पर आया बक्सर

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत दायर परिवादों के सफलतापूर्वक निष्पादन में बक्सर जिला को अप्रैल माह में संपूर्ण बिहार में तृतीय स्थान पर एवं जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय को संपूर्ण बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ हुआ है।

बता दें कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम को पूरे बिहार में छह जून 2016 को लागू किया गया है। इस अधिनियम की खासियत है कि परिवादी और लोक प्राधिकार को आमने-सामने बैठाकर परिवादों का सफलातापूर्वक निष्पादन किया जाता है। बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी पटना द्वारा प्रत्येक महीने जिलावार एवं कार्यालयवार रैंकिंग का निर्धारण किया जाता है।

वहीं, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी पटना से प्रतिवेदित किया गया है कि माह अप्रैल में बक्सर जिला को परिवादों के सफलातापूर्वक निष्पादन में संपूर्ण बिहार में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है तथा जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय, बक्सर को माह अप्रैल में समस्त बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय डुमरांव को मिला तीसरा स्थान : जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय को लगातार अप्रैल 2024 से (अक्टूबर 2024 छोड़कर) अब तक प्रथम स्थान प्राप्त होते आ रहा है। वहीं अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय डुमरांव को तीसरा एवं अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, बक्सर को 5वां स्थान मिला।

निर्णय पर संचार का अवसर देने का कानूनी अधिकार देता है: जानकारी के अनुसार यह कानून नागरिकों को उनके शिकायतों की सुनवाई निवारण और लिए गए निर्णय पर संचार का अवसर देने का कानूनी अधिकार देता है। अगर किसी लोक प्राधिकारी द्वारा परिवाद के निवारण में अभिरूचि नहीं ली जाती है अथवा तय सीमा में परिवाद का निवारण नहीं किया जाता है, तो उनके विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनिक कार्रवाई की जाती है। संपूर्ण बिहार में बक्सर की उत्कृष्ट उपलब्धि जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के कुशल नेतृत्व एवं सतत पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण का परिणाम है, जिसके कारण बक्सर जिले को संपूर्ण बिहार में तृतीय स्थान एवं जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। बता दें कि लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कोई भी आम नागरिक या नागरिकों का समूह, परिवाद दायर कर सकता है।

यह परिवाद सरकार द्वारा राज्य में चलाई जा रही किसी योजना, कार्यक्रम या सेवा के संबंध में कोई फायदा या हक मांगने के लिए, या ऐसा फायदा या हक प्रदान करने में विफलता या विलंब होने के संबंध में, या किसी लोक प्राधिकार के कृत्यकरण में विफलता से, या उसके द्वारा राज्य में प्रवृत्त किसी विधि, नीति, सेवा, कार्यक्रम या योजना के उल्लंघन के मामले में परिवाद दायर किया जा सकता है।

एक नजर

बक्सर में मजबूत है महागठबंधन, आगामी विस चुनाव में फिर नहीं खुलेगा एनडीए का खाता

बक्सर। बक्सर जिला महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक रविवार को संपन्न हुई। यह बैठक राजद कार्यालय में आयोजित हुई। जिसका नेतृत्व राजद जिलाध्यक्ष एवं महागठबंधन समन्वय समिति के संयोजक शेषनाथ यादव ने किया। राजद जिलाध्यक्ष ने कहा कि महागठबंधन बक्सर जिला में मजबूती की ओर लगातार बढ़ती जा रही है, इसका असर आने वाले चुनाव में देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी बक्सर जिले में एनडीए गठबंधन का खाता नहीं खुलेगा। बैठक में मुख्य रूप से समन्वय समिति को प्रखंड व पंचायत स्तर तक गठित कर समन्वयक बनाकर महागठबंधन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। बैठक का संचालन बक्सर जिला कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने किया। डॉ. पांडेय ने कहा कि भाजपा के दुष्प्रचारों से मुकाबला करने के लिए हमें हर स्तर पर आपसी सौहार्द भाईचारा एवं समन्वय स्थापित करना है। महागठबंधन के सभी दलों के प्रखंड स्तर से पंचायत स्तर तक अध्यक्षों का समन्वय बनाकर बूथ तक समन्वय बनाया जाएगा। इससे आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को मुंह की खानी पड़ेगी। वहीं, डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा ने कहा कि हमको उस पार्टी से लड़ना है, जो पार्टी देश में झूठ की प्रचार करती है। उससे मुकाबला के लिए हमें एकजुटता का परिचय बूथ तक देना है। बैठक में महागठबंधन के सभी दलों के जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्षों ने अपने-अपने सुझाव दिए। सीपीएम के अरुण ओझा ने कहा कि महागठबंधन का इस तरह का बैठक आगामी विधानसभा चुनाव तक होते रहेगा। बैठक में वीआईपी के जिलाध्यक्ष अनिल साहनी, कांग्रेस के संजय कुमार पांडेय उर्फ मुन्ना पांडेय, राजद प्रधान महासचिव धनपत चौधरी, माले के नवीन कुमार, सीपीआई के ज्योतिश्वर उर्फ बालक दास, निर्मल कुशवाहा, बच्चा लाल निषाद, परमहंस सिंह, संतोष भारती, कमल पाठक सहित महागठबंधन के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चौसा थर्मल पॉवर प्लांट से तीन लाख की एल्यूमिनियम क्वायल चोरी, तीन गिरफ्तार

चौसा। चौसा स्थित थर्मल पॉवर प्लांट से चार चोरों ने मिलकर करीब तीन लाख रूपए मूल्य के एल्यूमिनियम के तार चुरा लिए। हालांकि, कंपनी की सुरक्षा में तैनात सीआईएसफ के जवानों ने इस चोरी की घटना को उजागर करते हुए चार चोरों को चिन्हित किया है, जिनमें तीन गिरफ्तार हो चुके है। संयंत्र की सुरक्षा में तैनात सीआईएसफ के निरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि विगनेश्वर एयर कंडिशिंग प्रा. लि. एलएण्डटी के अधीन कार्यरत कम्पनी के स्टोर से विगत 10, 11 एवं 13 मई को तीन बार में कुल तीन एलुमिनियम क्वायल चोरी की गई थी। जिसका संयंत्र में कार्यरत तीन मजदूरों सरेंजा निवासी जय किशन सिंह उर्फ झंडू, अंकित कुमार व बनारपुर निवासी कृष्णा चौधरी ने अंजाम दिया। चोरी में एक बिना नंबर की पिकअप वाहन का इस्तेमाल किया गया था। सूचना मिलने पर निरीक्षक अजय कुमार द्वारा एलएण्डटी के सीसीटीवी कंट्रोल रूम में जाकर फुटेज की पुष्टि की गई, जिसमें उक्त लोग चोरी करते दिखे। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि तीसरी कॉइल स्थानीय व्यक्ति अजय ठठेरा को बेच दी गई थी। चोरी गए सामान का कुल मूल्य तीन लाख 12 हजार 196 रूपए आंका गया है। मामले की जानकारी एसजेवीएन, एलएण्डटी एवं संबंधित कंपनी के अधिकारियों को दे दी गई है। वहीं, तीनों आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाने को दे दिया गया है।

खबरें फटाफट

दो बाइक की टक्कर, दोनों चालक जख्मी

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के कड़सर गांव के पास हादसे में दो बाइक की सीधी टक्कर हो गई। इसमें दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। यह हादसा शनिवार की देर शाम की है। जख्मियों में एक कड़सर निवासी नीरज पाठक है, तो दूसरा भोजपुर जिला के अंगरा निवासी गुड्डू पासवान बताया जाता है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का प्राथमिक इलाज के बाद आरा रेफर कर दिया है। वहीं, पुलिस ने दोनों बाइक को जब्त कर लिया।

युवती से छेड़खानी के विरोध में मारपीट

नावानगर। स्थानीय थाना के एक गांव में युवती के साथ गांव के युवक ने छेड़खानी की है। घटना के दौरान युवती की आवाज सुन कर पहुंची उसकी मां के साथ नामजद लोगों ने जमकर मारपीट की। इसके कारण महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों के सहयोग से जख्मी भर्ती कराया। जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए महिला को बक्सर रेफर कर दिया। इधर पीड़ित महिला ने गांव के ही दीपक कुमार सिंह, सुबाष सिंह और अशोक सिंह पर नावानगर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बक्सर जिले के 97 पंचायतों में कराया जा रहा है 112 खेल मैदानों का निर्माण

30 मई तक शेष बचे 62 खेल मैदानों का गुणवत्ता के साथ करें निर्माण पूरा: डीएम

- जिलाधिकारी ने की खेल मैदानों के निर्माण कार्य की समीक्षा
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों एवं सार्वजनिक मैदानों का मनरेगा योजना के तहत कराया जा रहा है निर्माण

स्टेडियम निर्माण की बाट जोह रहा है डुमरांव राज हाई स्कूल का खेल मैदान

एक तरफ राज्य सरकार द्वारा पूरे राज्य में ग्रामीण स्तर की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए मिनी स्टेडियम व खेल मैदान का निर्माण कराया जा रहा है तो दूसरी तरफ डुमरांव के राज हाई स्कूल का विशाल खेल मैदान अभी तक स्टेडियम निर्माण की बाट जोह रहा है। बता दें कि पूर्व में इस खेल मैदान को स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति भी मिली थी, लेकिन तकनीकी कारणों से निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। अब जबकि राज्य सरकार खेल मैदानों के निर्माण में रूचि ले रही है तो ऐसे में लोग इस बात के कयास लगा रहे है कि क्या डुमरांव के राज हाई स्कूल के खेल मैदान में स्टेडियम का निर्माण होगा।

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार में खेलों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण स्तर की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए राज्य सरकार द्वारा खेल मैदानों व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्कूलों के खेल मैदान व अन्य सार्वजनिक खेल मैदानों में स्टेडियम तथा अन्य संरचनाओं का निर्माण मनरेगा योजना के तहत कराया जा रहा है।

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने खेल मैदानों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण करने तथा निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश मनरेगा के अधिकारियों को दिया है। वहीं, जिलाधिकारी ने मनरेगा की समीक्षा अपने कार्यालय कक्ष में की।

विद्यालयों एवं ग्रामीण छात्र छात्राओं के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा योजना से कराए जा रहे खेल मैदान के निर्माण के संबंध में मनरेगा डीपीओ ने बताया कि बक्सर जिले में 97 पंचायतों में 112 खेल मैदान निर्माण कराया जा रहा है, जिनमें 50 खेल मैदानों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने शेष बचे 62 खेल मैदानों का निर्माण कार्य 30 मई 2025 तक पूरा करने का निर्देश दिया।

इंफ्रास्ट्रक्चर भी मुहैया कराया जाएगा: जिलाधिकारी ने कहा कि खेल मैदानों का निर्माण व खेल को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। सरकार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को तराश उन्हें ओलंपिक मेडल जीतने के लिए तैयार कर रही है। जिस कारण सभी पंचायतों में खेल मैदानों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके बाद इंफ्रास्ट्रक्चर भी मुहैया कराया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए किसी तरह की दिक्कतें नहीं आए। उन्होंने कहा कि खेल संरचनाओं व संसाधनों को मुहैया कराने का यह अभियान पूरे राज्य में चलाया जा रहा है। इस काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व संवेदकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्धारित समय तक विद्यालय परिसर के अंदर निर्मित खेल मैदान का निर्माण कार्य पूरा करा उसे संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया तथा वैसे खेल मैदान जो विद्यालय परिसर के बाहर हैं, उसके चारों ओर पौधरोपण कर घेराबंदी कराने का निर्देश दिया गया, ताकि खिलाड़ियों को प्राकृतिक वातावरण मिल सकें। समीक्षा के क्रम में मानव दिवस सृजन में महिलाओं की भागीदारी 60 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति-जनजाति की भागीदारी 30 प्रतिशत करने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया। आधार आधारित भुगतान मजदूरों की ससमय मजदूरी का भुगतान, मोबाईल एप से उपस्थिति, कार्य पूर्णता, आवास के लाभुकों को मनरेगा की मजदूरी का भुगतान करने हेतु निदेशित किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने अनुसूचित जाति-जनजाति मानव दिवस सृजन में कम प्रगति पर कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, चौगाईं एवं चक्की से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया। वहीं, आथर में निमार्णाधीन ग्रामीण हाट बाजार को 30 मई तक पूर्ण कराने, जीविका भवन नावानगर का निर्माण आगामी एक माह में पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में डीडीसी, मनरेगा डीपीओ एवं सभी मनरेगा बीपीओ उपस्थित थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दूसरा घायल

केटी न्यूज/बक्सर

नगर के आईटीआई रोड पर रविवार की शाम तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां पवन कुमार नामक युवक को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि, दूसरे युवक की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। मृतक पवन कुमार शहर के बड़की सारीमपुर निवासी स्वर्गीय कमल यादव का पुत्र था।

जानकारी के अनुसार, पवन अपने एक दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर आईटीआई रोड से तेज रफ्तार में जा रहा था। आईटीआई मैदान के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई। जिसमे दोनों युवक बुरी तरह घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही पवन ने दम तोड़ दिया। दूसरे घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया है।

सूचना पर पहुंची नगर थाना पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इधर,घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि मृतक के पिता की भी करीब चार महीने पहले ट्रेन हादसे में मौत हो चुकी है।नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

छिनैती करने वाले चार अपराधियों को ग्रामीणों ने पकड़ किया पुलिस के हवाले

केटी न्यूज/नावानगर

बासुदेवा थाना क्षेत्र में एक ही रात चार स्थानों पर छह अपराधियों द्वारा छिनैती करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें से चार अपराधियों को ग्रामीणों ने पकड़ कर बासुदेवा पुलिस के हवाले कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बैजनाथपुर गांव निवासी मोनू तिवारी के यहां तिलक समारोह था।

बासुदेवा थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने बताया कि तिलक समारोह में खाना बनाने वाले हलवाई के साथ भट्ठा पुल के पास छिनतई की गई। वहीं, समारोह से लौट रहे वीडियोग्राफर के साथ भी छिनैती की घटना हुई। अपराधियों ने उसका सब कुछ छीन लिया। तीसरी घटना दसियाव गांव के पास एक राहगीर से छिनतई होने की बात कही जा रही है। चौथी घटना रामपुर के पास एक युवक के साथ छिनतई हुई। चार जगहों पर छिनतई होने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा टोली बना कर अपराधियों की तलाश करने लगे। कभी तलाश के बाद आधी रात को ग्रामीणों ने छह में से चार अपराधियों को पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने सभी चारों को बासुदेवा पुलिस के हाथों सौंप दिया। पकड़े गए अपराधी में केसठ निवासी राजा कुशवाहा, रोहतास के इमिरता निवासी रबी कुमार के अलावा रोहतास के कटारिया गांव निवासी विक्की कुमार व गोशालडीह का अजीत कुमार है।

मिली सफलता: मगध एक्सप्रेस से विदेशी शराब की तस्करी का भंडाफोड़, आरपीएफ ने की बड़ी कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डाउन मगध एक्सप्रेस के बी-3 कोच से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। यह कार्रवाई आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक कुंदन कुमार के नेतृत्व में, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अंजाम दी गई।

गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ टीम ने ट्रेन के स्टेशन पर प्रवेश करने पर बी-3 कोच की सघन तलाशी की। इस दौरान शौचालय के समीप सात झोले और बैग संदिग्ध अवस्था में पाए गए। जब इनकी तलाशी ली गई, तो उनमें विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं। हालांकि, ट्रेन में किसी भी यात्री ने इन झोलों और बैगों के स्वामित्व का दावा नहीं किया।

प्रभारी निरीक्षक कुंदन कुमार ने बताया कि जब्त की गई शराब में 350 एमएल की 18 बोतलें, 750 एमएल की 16 बोतलें तथा 500 एमएल के 30 बियर कैन शामिल हैं। कुल मात्रा लगभग 33.750 लीटर आंकी गई है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 21,080 रुपये है। उन्होंने कहा कि रेलवे परिसर में अवैध गतिविधियों पर रोकथाम के लिए आरपीएफ पूरी तरह सतर्क है।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी व संगीत शिक्षक सांस्कृतिक गतिविधियों को दे रहे है बढ़ावा

कला से जीवन में प्राप्त होती है शांति: डीपीओ

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व के प्रसिद्ध व्यक्तित्व, विद्वान, वैज्ञानिक कला के माध्यम से अपने जीवन में तरक्की के पथ पर विराजमान हुए, कला से तनाव कम होता है और मन को शांति मिलती है। उक्त बातें शिक्षा विभाग के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रजनीश उपाध्याय ने कही। वे शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन में विकास के पथ पर आगे बढ़ते रहने के लिए कला जरूरी है। कला से जुड़े विद्यार्थी कलाकार व शिक्षक सतत विकास के पथ पर आगे बढ़ते जाते है।

इस दौरान आदर्श उच्च विद्यालय चौसा के विद्यार्थी कलाकार आयुष कुमार जायसवाल और सीपीएसएस प्लस टू उच्च विद्यालय डुमरांव के विद्यार्थी प्रिंस कुमार गुप्ता ने अपनी बनाई कलाकृति को शिक्षा विभाग के सामने सप्रेम भेंट करने की इच्छा जताई, जिसे पदाधिकारी ने विद्यार्थी का सम्मान स्वीकार किया।

कलाकारों ने जिला कार्यक्रम पदाधिकारी विष्णु कांत राय व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी चंदन कुमार द्विवेदी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नाजिश अली से मिलकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा ली। वहीं, बक्सर में इस समय सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी व संगीत शिक्षक सांस्कृतिक गतिविधियों को जागृत करने में सफलता के पथ पर विराजमान दिख रहे हैं, कई विद्यालयों के छात्र इस कला के क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित कर रहे है।

शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने बताया कि सांस्कृतिक गतिविधि की एक विधिक श्रेणी है जो रचनात्मक या कल्पनाशील प्रतिभाओं के उपयोग पर केंद्रित है, जिससे एक सार्थक अनुभव की उम्मीद की जाती हैं। आमतौर पर भावात्मक शक्ति वैचारिक विचारों तकनीकी दक्षता और सुंदरता की अभिव्यक्ति के माध्यम से जीवन को उन्नतशील बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि चित्रकला, मूर्ति कला, प्रिंट मेकिंग, ड्राइंग, फोटोग्राफी व विविध कलाकृतियों का समावेश से हम बहुत कुछ सीखते हैं।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा के निर्देशन में इस समय जिले में सांस्कृतिक धरोहर विकास पर विद्यालयों में कार्य हो रहा है, जिसका फलाफल नन्हें कलाकार अपनी कलाकृतियों को जिला और राज्य स्तर पर सार्थक पहचान देने में लगे हुए हैं, शिक्षक भी इस भूमिका में अपना सहयोग विद्यार्थियों को प्रदान कर रहे हैं। जिला बक्सर के सरकारी विद्यालयों में संगीत के विकास पर जो कार्य हो रहा है उसे ग्रामीण जनता में विद्यालयों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पुनः जागृत हो रहा है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON

Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720

Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119

8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON

A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII

SARTHAK RAJ MISHRA 92%

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII

Chemistry	: 98	Biology	: 91
English Core	: 97	Physics	: 91
Physical Education	: 96	Business Studies	: 86
Mathematics	: 92	Economics	: 83

TOPPERS- STD. X

1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

Mathematics	: 100	Sanskrit	: 100	Social Science	: 97
Science	: 100	English	: 95	Hindi	: 94

INFORMATION

The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.

LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME

- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
- INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.

CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

चौसा को कैमूर स्टेट हाईवे से जोड़ने वाले लिंक मार्ग पर जलजमाव बनी मुसीबत

♦ दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला मार्ग जल-जमाव के कारण बंद, स्कूल जाने वाले बच्चों को भी हो रही परेशानी

केटी न्यूज/राजपुर

चौसा कोचस मार्ग को कैमूर स्टेट हाईवे से जोड़ने वाले सौरी रघुनाथपुर लिंक मार्ग पर जलजमाव से आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। यह जलजमाव राजापुर गांव के पास हुआ है। जलजमाव के कारण इस संपर्क मार्ग से आवागमन मुश्किल हो गया है, जिससे राहगीरों और आसपास के दर्जनों गांवों के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव के कारण आए दिन लोग फिसलकर गिर रहे है।

स्थानीय निवासी दीपक कुमार चौबे, पूर्व बीडीसी सदस्य मुन्ना राम, रमाकांत राम, सफलु राम और हुलसिया देवी ने बताया कि दो वर्ष पूर्व भी इसी स्थान पर जल निकासी की गंभीर समस्या सामने आई थी। लंबे समय तक जल-जमाव रहने के कारण लोगों को कई महीनों तक आवागमन में कठिनाई हुई। तब जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के हस्तक्षेप से जल निकासी की व्यवस्था की गई थी और जल निकासी के बाद सड़क का निर्माण भी कराया गया था।

हालांकि, अब एक बार फिर जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और कई स्थानों पर टूट-फूट से जल का बहाव रुक गया है, जिससे सड़क पर पानी भर गया है। विशेष रूप से जिस स्थान पर जल-जमाव हुआ है, वहां एक प्राथमिक विद्यालय भी स्थित है, जहां बच्चे इसी जल-जमाव से होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं।

लोगों का कहना है कि नजदीकी मार्ग के बंद होने से उन्हें अब लंबा चक्कर लगाकर दूसरे रास्ते से आना-जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्थायी जल निकासी की व्यवस्था जल्द से जल्द की जाए, जिससे यह समस्या दोबारा न हो और लोगों को राहत मिल सके।

वहीं, दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आगामी दिनों में बारिश होने के साथ ही उनकी परेशानियां बढ़ जाएंगी। यदि बरसात के पूर्व पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो ग्रामीण बेबश होकर आंदोलन करेंगे।

चंदा गांव के पास एनएच पर दो टेलरों में हुई टक्कर, एक का चालक गंभीर रूप से जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

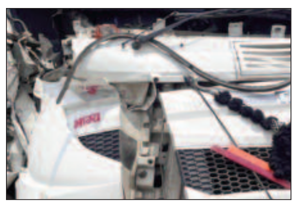

पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर रविवार की सुबह नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चंदा गांव के पास दो टेलर की टक्कर हो गई। घटना में एक टेलर का चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन इसके पहले ही स्थानीय लोगों ने जख्मी चालक को अस्पताल पहुंचा दिया था। चालक की पहचान नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि उसे गंभीर चोटे आई है तथा उसकी हालत नाजूक बनी हुई है। बताया जाता है कि एक ट्रेलर बालू लादकर उत्तर प्रदेश की तरफ जा रहा था। एनएच 922 पर चंदा गांव के समीप चालक अपने वाहन पर से संतुलन खो बैठा और अपने आगे चल रहे ट्रेलर से टकराकर बुरी तरह से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना सुबह करीब छह बजे की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। पुलिस इस मामले में कई बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि ट्रक चालक के पहचान की कोशिश की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज को डुमरेजनी मंदिर मार्ग से एनएच 120 से जोड़ने की उठ रही मांग

सड़क निर्माण होने से जाम से मिलेगी निजात, बढ़ेगी परिवहन की सुविधा

♦ भूमि अधिग्रहण की नहीं पड़ेगी जरूरत, सरकारी संस्थाओं तक पहुंचने में होगी सहूलियत

केटी न्यूज/डुमरांव

हरियाणा फार्म से सटे व डुमरांव राजवाहा मार्ग के किनारे मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहा है, अगले वर्ष तक एएनएम ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन इन महत्वपूर्ण संस्थानों का सीधे जुड़ाव एनएच 120 से नहीं हो पाया है। जिस कारण यहां पढ़ने वाले छात्रों, कर्मियों व आने जाने वाले लोगों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पडेगा। यहीं नहीं बल्कि मेडिकल कॉलेज व एएनएम कॉलेज को जाने वाले वाहनों को पूरे शहर का चक्कर लगाना पड़ेगा। जिससे जाम की समस्या और गंभीर हो जाएगी।

लेकिन, डुमरांव में बन रहे मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज को शहर के मुख्य मार्गों से जोड़ने की प्रक्रिया पर कोई सुगबुगाहट नहीं है। मेडिकल कॉलेज बनने के पश्चात वहां पहुंचने के लिए डुमरांव की संकीर्ण गलियों से जंग लड़ना होगा। कॉलेज का निर्माण शुरू हुए करीब एक साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन रास्ते की समस्या खत्म नहीं हुई। मेडिकल कॉलेज के साथ ही डुमरांव में अनुमंडल अस्पताल और कार्यालय को खुले वर्षों बीत गए, लेकिन इन कार्यालयों का भी एनएच 120 या 922 से इसका सीधा संपर्क नहीं हो सका है। हालांकि, लोगों ने अब इन महत्वपूर्ण संस्थानों को एनएच 120 से जोड़ने की मांग की तेज कर दी है।

डुमरेजनी मंदिर के रास्ते हो सकता है एनएच 120 से सीधा जुड़ावः हालांकि, मेडिकल कॉलेज को एनएच 120 से सीधे जोड़ना काफी आसान है, जरूरत है तो सिर्फ प्रशासनिक स्वीकृति की। इस संबंध में डुमरांव के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता व सामाजिक मंच के प्रदीप शरण का कहना है कि एनएच 120 पर डुमरेजनी मोड़ से मंदिर मार्ग होते हुए सीधे मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज को मुख्य पथ से जोड़ा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इस काम में न तो भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाना पड़ेगा और न ही कोई अन्य समस्या आएगी। मां डुमरेजनी के प्रवेश द्वार से मंदिर तक जाने वाली सड़क के आगे कांव नदी होते हुए कृषि कॉलेज रिसर्च सेंटर के किनारे किनारे रास्ते का चौड़ीकरण कर मेडिकल कॉलेज को सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ा जा सकता है। इस प्रक्रिया में कहीं भी भूमि अधिग्रहण की जरूरत नहीं होगी। वहीं मां डुमरेजनी मंदिर प्रवेश द्वार के समीप ही डुमरांव बाईपास का निर्माण होना है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने के लिए मुख्य बाजार के जाम से भी जद्दोजहद करने की जरूरत नहीं होगी।

जर्जर मार्गो से गुजर रहे है ट्रक चालकः बता दें कि मेडिकल कॉलेज तक निर्माण सामग्री पहुंचाने के लिए जिन रास्तों का सहारा ट्रक चालक ले रहें हैं वो बिल्कुल जर्जर अवस्था में हैं। अभी कुछ दिनों पहले बीएमएसआइसीएल के प्रबंध निदेशक द्वारा मेडिकल कालेज सह अस्पताल के बनने वाले 17 भवनों का निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण कराए जाने को निर्देशित किया गया था लेकिन रास्ते को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। इससे प्रारंभिक चरण में बिल्डिंग मेटेरियल लेकर पहुंचने वाले वाहनों सहित अन्य वाहनों को भी अनुमंडल कार्यालय पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि जब हरियाणा फॉर्म में सरकार द्वारा आम जन की सुविधाओं के लिए संचालित कई परियोजनाओं को खोले जाने का दावा है तो यहां रास्ते की बात क्यों नहीं की जा रही है।

प्रतिनियुक्ति के खेल में स्वास्थ्य विभाग लिप्त

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वास्थ्य विभाग में प्रतिनियुक्ति का खेल बदस्तूर जारी है। डॉक्टर और कर्मी मनचाहे जगहों पर वर्षों से जमे हुए हैं। हलांकि उनका स्थानांतरण हुआ है, लेकिन वहां से अपनी प्रतिनियुक्त करा वर्षों से जमे हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार आनंद राय, जिनका पदस्थापन पीएचसी केसठ में है, जिनकी प्रतिनियुक्ति सीएचसी इटाढ़ी में कर दिया गया, जहां लगभग तीन साल से जमे हुए हैं।

वहीं, रवि रंजन प्रसाद सिन्हा जिनका प्रबंधक के पद पर पदस्थापन पीएचसी चक्की में हुआ था। पदस्थापन के एक साल के बाद इनकी प्रतिनियुक्ति सीएचसी नावानगर में कर दिया गया, जहां लगभग तीन साल से वहीं पर रहते हुए सैलरी पीएचसी चक्की से उठाते हैं। वहीं स्वास्थ्य कर्मी सुशील कुमार का पदस्थापन सदर अस्पताल बक्सर में है। वहां से पदस्थापन के सात माह के बाद इनकी प्रतिनियुक्ति पीएचसी केसठ में कर दिया गया है, जहां लगभग तीन साल से प्रतिनियुक्ति पर हैं और सैलरी उठाने सदर अस्पताल बक्सर जाते हैं।

वहीं, कुमार प्रियदर्शी का पदस्थापन सीएचसी नावानगर में पदस्थापन के तीन माह के बाद इनकी प्रतिनियुक्ति सीएचसी ब्रह्मपुर में कर दिया गया, तीन साल से प्रतिनियुक्ति पर हैं, सैलरी सीएचसी नावानगर से लेते हैं। इनकी प्रतिनियुक्ति अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव में भी हुआ था। वहीं स्वास्थ्य कर्मी चिंतामणि का पदस्थापन सीएचसी इटाढ़ी में हुआ था, वहां से एक साल के बाद ही इनकी प्रतिनियुक्ति सीएचसी नावानगर में कर दिया गया। लगभग 1 साल के बाद फिर प्रतिनियुक्ति चीब चौगाई में हो गया, सेलरी सीएचसी इटाढ़ी से उठाते हैं। मामले में सीएस से बात ने कहा की अभी हमें इस संबंध में पूरी जानकारी नहीं है। ऐसा हुआ है तो ठीक नहीं है। पूरी जानकारी लेकर जून 2025 में सभी कुछ पटरी पर लाया जाएगा।

नगर में फिसड्डी साबित हो रहा है डुमरांव विधायक का कामः रवि उज्ज्वल कुशवाहा

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता सह डुमरांव विधानसभा के पूर्व विधानसभा प्रभारी रहे रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने डुमरांव शहर के सुमित्रा कॉलेज रोड का मुआयना किया और कहा कि विधायक अजीत कुशवाहा का डुमरांव में बहुत कम काम हुआ है और जो हुआ है वो भी फिसड्डी साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह रोड कुछ दिन पहले ही विधायक निधि से बनाया गया था, लेकिन रोड का गिट्टी बाहर निकल आया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सुमित्रा कॉलेज रोड ही नहीं बल्कि छठिया पोखरा के पास, हरिजी का हाता के पास ऐसे अनेक रोड नाले बने है, जिसकी स्थिति बहुत खराब है। रवि ने कहा कि डुमरांव विधायक अपना काम छोड़कर दूसरे के कराये कामों का श्रेय लेने मे लगे है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा कराए गए कल्याणकारी कार्यों को विधायक अपना काम गिनवा रहे हो, जो हास्यास्पद बन रहा है। उन्होंने विधायक पर व्यंग्य करते हुए कहा कि विधायक डुमरांव की जनता को बताये की उनका फंड कितना है और उस फंड का उपयोग वे कहां-कहां किये है, जनता जानना चाहती है। वर्तमान हालात जो है, विधायक को डुमरांव की जनता नकार चुकी है। बहुत जल्द इनकी सभी फंड का हिसाब और कामों का पदार्फाश होगा।

पुराना भोजपुर बाजार में लगा नया एडीशनल ट्रांसफार्मर, दुरूस्त होगी बिजली आपूर्ति

लो वोल्टेज जैसी समस्याओं से अब मिलेगी निजात

केटी न्यूज/डुमरांव

बिजली विभाग की टीम ने पुराना भोजपुर के उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए बाजार में एक एडीशनल ट्रांसफार्मर लगाया है। एडीशनल ट्रांसफार्मर के लगने से जहां पुराने ट्रांसफार्मर से लोड घटेगा वहीं, उपभोक्ताओं को बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी।

कोरानसराय के सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन वर्मा ने बताया कि पुराना भोजपुर में विद्युत आपूर्ति सुधारने तथा लोगों को निर्बाध गति से बिजली देने के लिए बाजार में 200 केवीए का एडीशनल ट्रांसफार्मर लगाया गया है। पूर्व में यहां एक 200 केवीए का ट्रांसफार्मर था, जिस पर लोड अधिक था, इससे उपभोक्ताओं को अक्सर लोकल फाल्ट, ट्रिपिंग आदि की समस्या झेलनी पड़ती थी।

पूर्व में सिर्फ एक ट्रांसफार्मर से विद्युत आपूर्ति होने से लोड बढ़ गया था। ट्रांसफार्मर ओवर लोड का शिकार हो गया था। सहायक विद्युत अभियंता ने कहा कि अब पुराने ट्रांसफार्मर को भी ओवर लोड से निजात मिल जाएगी। तथा लोगों को खासकर शाम के समय में आ रही बिजली की कटौती की समस्या से भी निजात मिल जाएगी। नए ट्रांसफार्मर के इंस्टॉलेशन से लोड का संतुलन बेहतर हुआ है और पूरे इलाके में स्थिर एवं सुचारु बिजली आपूर्ति हो रही है। स्थानीय निवासियों ने विभाग की इस पहल की सराहना की है और कहा कि इससे व्यापारियों और घरों दोनों को राहत मिली है। कई लोगों ने बताया कि पहले पंखे और कूलर भी सही से नहीं चलते थे, लेकिन अब बिजली की स्थिति सामान्य हो गई है। विभाग ने भरोसा दिलाया है कि आगे भी उपभोक्ताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाएगा।

पुराना भोजपुर में लंबे समय से बिजली की समस्या बनी हुई थी। इस कारण उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई थी। ट्रांसफार्मर के ओवर लोड होने से अक्सर फेज मारने, ट्रिपिंग जैसे लोकल फाल्ट के कारण आपूर्ति बाधित होते रहती थी। भीषण गर्मी के इस मौसम में आपूर्ति बाधित होने से उपभोक्ता परेशान हो रहे थे। यही कारण है कि विभाग द्वारा एडिशनल ट्रांसफार्मर लगाए जाने से उपभोक्ताओं में खुशी व्याप्त है।

कराकाट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर तेज हुई तैयारियां

पीएम के आने से होगा विकास का नया सवेरा: भाजपा अध्यक्ष

♦ दुगार्डीह में सभास्थल का प्रदेश अध्यक्ष ने महामंत्री डॉ. मनीष के साथ किया निरीक्षण

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

जिले के काराकाट विधानसभा क्षेत्र के बिक्रमगंज थाना के दुगार्डीह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर तैयारियां जोरों पर है। जिस आयोजन को लेकर रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जयसवाल दुगार्डीह गांव पहुंच कार्यक्रम के लिए चयनित सभास्थल का भाजपा नेता डॉ. मनीष के साथ निरीक्षण करते हुए तैयारियों पर विशेष चर्चा की।

दूसरी तरफ मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष का बिक्रमगंज के दुगार्डीह में आगमन को होते ही सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में एक सभागार में भारत माता की जयघोष के साथ हाथों में प्रदेश अध्यक्ष का तख्ती लिए उन्हें फूल-माला पहना अंगवस्त्र भेंट कर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। जहां उक्त अवसर पर सभागार में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विशिष्ट अतिथियों के दीप प्रज्वलित कर कार्यकताओं का अभिनंदन करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

तीन लाख लोगों के शामिल होने की संभावना

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि रोहतास, कैमूर, बक्सर और भोजपुर जिले से करीब 3 लाख लोगों के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। पटना एयरपोर्ट टर्मिनल के उद्घाटन के बाद काराकाट विधानसभा में जनसभा के दौरान वे कई प्रमुख परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इनमें पटना–आरा–सासाराम स्टेट हाईवे, बिहटा एयरपोर्ट, बनारस–रांची छह लेन एक्सप्रेसवे और नवीन नगर थर्मल पावर प्लांट शामिल हैं।

विशिष्ट अतिथियों में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह व भाजपा रोहतास जिलाध्यक्ष संतोष पटेल, प्रदेश संगठन महामंत्री भिखु भाई दिलसानिया, बिहार सरकार मंत्री संतोष सिंह, केदार गुप्ता, संजय सराव, विधान परिषद सदस्य निवेदिता सिंह, एमएलसी जीवन कुमार का भी कार्यकताओं जोरदार अभिनंदन किया। मौके पर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए अध्यक्ष दिलीप कुमार जसवाल ने कहा कि 30 मई को काराकाट विधानसभा क्षेत्र में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन एक ऐतिहासिक युग का नया सवेरा है। जिसके पूरे काराकाट विधानसभा में विकास की नई बयार बहेगी।

उन्होंने ने निरीक्षण करते हुए विशेष सुरक्षा बल की तैनाती, हेलीपैड, जिला प्रशासनिक बल, ग्राउंड कैंपस, मंच निर्माण, विश्राम गृह, यातायात व्यवस्था, शरारती तत्वों पर पैनी नजर, स्वागत स्थल, बिहार के मुख्यमंत्री व विभिन्न मंत्रियों का व्यवस्था सहित मुख्य कार्यक्रम तैयारी की गतिविधियों पर विशेष चर्चा करते हुए जिला प्रशासन और भाजपा कार्यकताओं को विशेष दिशा-निर्देश दिया। दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष के आगमन से पूरे दुगार्डीह सहित काराकाट क्षेत्र की में काफी खुशी का माहौल था। मौके पर विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह, रघुवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व सांसद सुशील सिंह, रामेश्वर चौरसिया, जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह, विवेक कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता संजीव मिश्रा,प्यारे लाल ओझा, विवेक सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष मदन प्रसाद वैश्य, नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थें।

एसएनसीयू वार्ड में लगी आग, सभी बच्चे सुरक्षित

केटी न्यूज/आरा

सदर अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड (शिशु वार्ड) में रविवार की सुबह अचानक आग लग गयी। आग लगने का कारण शॉट सर्किट होना बताया जा रहा है। वार्मर मशीन में आग लगने की बात कही जा रही है। हालांकि नर्सिंग स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों की तत्परता से तुरंत ही आग पर काबू पा लिया गया। बच्चों को भी तत्काल दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। इससे किसी तरह की क्षति नहीं हुई है, लेकिन आग लगने से लोगों में अफरातफरी मच गई।

स्वास्थ्य प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। बच्चों के परिजनों से स्वास्थ्य कर्मियों तक में भाग-दौड़ मची रही। घटना के समय एसएनसीयू में करीब डेढ़ दर्जन बच्चे भर्ती होने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह करीब नौ बजे शिशु वार्ड में अचानक आग लग गई। इससे सायरन बजने लगा। तब नर्सिंग स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों की ओर से तत्परता दिखाते हुए तत्काल सभी बच्चों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। आग पर काबू भी पा लिया गया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। इधर, एसएनसीयू वार्ड में भर्ती बच्चों के परिजनों ने बताया कि अचानक सायरन बजने लगा और गार्ड भाग-दौड़ करने लगे। वार्ड में अफरातफरी मची रही। तब पता चला कि वार्ड में आग लग गयी है। इस पर वे लोग भी अपने बच्चों को निकालने पहुंचे । तब मौजूद नर्सिंग स्टाफ की ओर से बताया गया कि आग बुझ गई है और स्थिति बिल्कुल ठीक है। अस्पताल उपाधीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि अब स्थिति बिल्कुल सामान्य है। वार्ड में भर्ती बच्चे सुरक्षित हैं। बताया कि आग लगने के कारणों और शॉट सर्किट की जांच की जा रही है।

हादसे में मनेर के लेक्चरर की मौत

आरा। बड़हरा थाना क्षेत्र के बखोरापुर मंदिर के पास तेज रफ्तार वाहन से बचने के चक्कर में एक कार पेड़ से टकरा गई। इसमें कार चला रहे पटना जिले के निवासी एक लेक्चरर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृत लेक्चरर पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव निवासी रौशन कुमार सिंह उर्फ रौशन प्रताप सिंह थे। वह बिहटा स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंजीनियरिंग कॉलेज में लेक्चरर थे। परिजनों ने बताया कि उनके ननिहाल में शादी थी। वह शादी समारोह में शामिल होने के लिए शनिवार को नाना गया सिंह के साथ कार से बखोरापुर गांव गये थे। शनिवार की देर रात वह वापस मनेर लौट रहे थे। उसी दौरान केशोपुर की तरफ से आ रहे वाहन की ओर से उन्हें चकमा दे दिया गया। इससे उनकी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

अंबेडकर कॉलोनी में युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, जांच को पहुंचे एएसपी

केटी न्यूज/आरा

टाउन थाना क्षेत्र के अंबेडकर कॉलोनी वार्ड 23 में रविवार सुबह हथियारबंद अपराधियों ने 18 वर्षीय बिरजू कुमार की तीन गोली मारकर हत्या कर दी। बिरजू मजदूरी करता था और बड़ के पेड़ के पास बैठा था, तभी बाइक सवार तीन अपराधियों ने फायरिंग कर दी। घायल बिरजू ने एक घर में भागकर जान बचाने की कोशिश की, लेकिन अपराधियों ने पीछा कर उसे गोली मार दी।

बिरजू के पिता सुदामा प्रसाद ने बताया कि उनके बड़े बेटे वीर शराब कारोबार का विरोध करता था, जिसे पहले भी जान से मारने की धमकी दी गई थी। बदमाश वीर को निशाना बनाने आए थे, लेकिन उसके न मिलने पर बिरजू को मार दिया।

एएसपी परिचय कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। आरोपियों की पहचान हो गई है और गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई है। मौके से पांच खोखा और एक पिलेट बरामद हुआ है। मृतक के भाई वीर राम 2022 में एक हत्या मामले में आरोपी है, जिससे दो गुटों के बीच रंजिश चल रही थी।

घर के बाहर बैठे युवक को गोलियों से भूना

केटी न्यूज/आरा

जिले के नगर थाना क्षेत्र के सपना सिनेमा मोड़ स्थित आंबेडकर कॉलोनी में रविवार की सुबह एक युवक की गोली मार हत्या कर दी गई। बाइक सवार अपराधियों ने घर के बाहर बैठे युवक पर ताबड़तोड़ पांच गोलियां दाग दी। मृत युवक शिवगंज आंबेडकर कॉलोनी निवासी सुदामा राम का 20 वर्षीय पुत्र बिरजू कुमार था। उसका बड़ा भाई वीरा राम मोती टोला के एक युवक की हत्या में आरोपित रहा है।

उसके प्रतिशोध और पुरानी रंजिश में हत्या करने की बात कही जा रही है। पुलिस की शुरूआती जांच में भी यही बात सामने आयी है। मोती टोला निवासी सुधीर यादव और उसके रिश्ते के भाई सहित छह लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस की ओर से त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। घटनास्थल से पुलिस को पांच खोखा और एक पिलेट मिला है। पोस्टमार्टम के दौरान भी शव से एक बुलेट बरामद किया गया है।

वहीं, अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी राज की ओर से एक टीम भी गठित कर दी गई है। इधर, दिनदहाड़े युवक की हत्या से इलाके में सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर एएसपी परिचय कुमार और थानाध्यक्ष देवराज राय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और अपने स्तर से छानबीन की। फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम पहुंची और घटनास्थल से कई जरूरी साक्ष्य संकलन किया गया। इसके बाद पुलिस की ओर से शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

वीकेएसयू के स्नातक 2025-29 के सेमेस्टर वन में दाखिला शुरू होने में लगेगा समय

मैट्रिक्स सीट का मिलान कर खुलेगा पोर्टल

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2025-29 के सेमेस्टर वन में दाखिला शुरू होने में अभी समय लगेगा। एडमिशन को लेकर ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल आज सोमवार को नहीं खुलेगा। दरअसल, विवि कॉलेजों से प्राप्त सीट मैट्रिक्स प्राप्त होने के बाद उसका मिलान कराया जाएगा। सीट मैट्रिक्स के अनुसार संबंधन प्राप्त कॉलेजों के विषयों को पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। जानकारी के अनुसार अब 24 मई से आवेदन लिये जायेंगे।

इधर, एडमिशन के लिए इस बार अलग पेमेंट गेटवे बनाये जाने की भी योजना है, ताकि एडमिशन का पैसा एक जगह सुरक्षित रह सके। बताया जाता है कि इस मामले पर बैंक से भी बात की जा रही है। इस गेटवे में एडमिशन शुल्क और पंजीयन का शुल्क लिया जाएगा। मालूम हो कि पिछले वर्ष हुए नामांकन का शुल्क अब तक कॉलेजों को वितरित नहीं किया जा सका है। इस वर्ष ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए कई तकनीक पर कार्य कर पोर्टल खोला जायेगा। इस बार कॉलेजों की संख्या 75 है, जबकि सीट एक लाख पांच हजार है। पांच विषयों का कर सकते हैं चुनाव जानकारी के अनुसार विद्यार्थी मेजर विषय (प्रतिष्ठा) में पांच विषयों का चुनाव विद्यार्थी कर सकते हैं। हर विषय के लिए ऑनलाइन आवेदन में तीन सौ रुपये शुल्क देना होगा। मेजर विषय चुनने की आजादी विद्यार्थियों की रहेगी। मेरिट लिस्ट उनके इंटर में उस विषय में प्राप्त अंक के आधार पर जारी होगा। घोषित मेरिट में विद्यार्थियों को किसी एक मेजर विषय में ही दाखिला लेना होगा। प्रथम मेरिट में जिसका नाम जहां आयेगा वहां दाखिला लेना अनिवार्य रहेगा।

वहीं, मेजर के अलावा माइनर, वीएसी, एसईसी, एईसी, एमडीसी विषय का चयन विद्यार्थी एडमिशन होने के बाद करेंगे। इसके बाद पंजीयन प्रपत्र जारी होगा। बिहार बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थी करेंगे आवेदन मालूम हो कि बिहार बोर्ड इंटर का रिजल्ट मार्च माह में ही जारी हो गया है, जबकि सीबीएसई का रिजल्ट भी घोषित हो चुका है। बिहार बोर्ड सहित अन्य बोर्ड के उत्तीर्ण विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करेंगे। विद्यार्थी उसी कॉलेज का चयन करेंगे, जिसका नाम पोर्टल पर रहेगा।

कम्युनिटी रेडियो स्वास्थ्य श्रृंखला की शुरुआत... मंत्री बोले- स्वस्थ बिहार ही है विकसित बिहार की पहली सीढ़ी

केटी न्यूज/पटना

जनस्वास्थ्य संवाद और सामुदायिक रेडियो को मजबूत करने की दिशा में एक एतिहासिक पहल करते हुए बिहार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय ने सेहत सही लाभ कई-सीधे बात मंत्री जी के साथह्व नमक एक नयी रेडियो श्रृंखला का शुभारंभ किया। यह श्रृंखला ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गयी है। इसका पहला एपिसोड 24 मई, 2025 को राज्य भर में प्रसारित किया जाएगा। यह श्रृंखला स्वास्थ्य मंत्री और गोपालगंज, सारण, सिवान, भागलपुर, बाढ़, गया और वैशाली के कम्युनिटी रेडियो के प्रतिनिधियों के साथ हुई 60 मिनट की बातचीत से शुरू होती है जो इस कार्यक्रम की भागीदारी और स्थानीय प्रकृति को दर्शाती है।

मातृ स्वास्थ्य में हुई प्रगति को किया गया रेखांकितः कम्युनिटी रेडियो के रिपोर्टरों से बातचीत के दौरान मंगल पांडेय ने बिहार की स्वास्थ्य सेकाओं, विशेषकर मातृ स्वास्थ्य में हुई महत्वपूर्ण प्रगति को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि लगभग बीस साल पहले बिहार की मातृ मृत्यु दर 100,000 जीवित जन्मों पर 374 थी. यह संख्या 2015-17 के दौरान घटकर 174 हो गयी। 2017-19 के बीच यह 118 रही. नवीनतम सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे के आंकड़ों के अनुसार 2020-2021 की अवधि में बिहार की मातृ मृत्यु दर अब 100 पर आ गयी है और आगामी 2022-23 के आंकड़ों में इसके और घटने की उम्मीद है। यानि केवल कुछ वर्षों में 18 अंकों की गिरावट दर्ज की गयी है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बिहार की स्वास्थ्यकर्मी भर्ती योजना के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने के लिए 41,000 से अधिक पदों को भरा जा रहा है। 11,000 जी.एन.एम पदों की भर्ती प्रक्रिका चालू है और 10,600 ए.एन.एम. की भर्ती अगले 15 दिनों में पूरी कर ली जाएगी। इसके साथ ही एमबीबीएस डॉक्टरों, आयुष चिकित्सकों, स्नातकोत्तर विशेषज्ञों, दंत चिकित्सकों और चिकित्सा सहायकों की भर्ती भी तेजी से की जा रही है।

ग्रामीण स्वास्थ्य ढ़ांचे में हुआ सुधारः स्वास्थ्य मंत्री ने कहा ग्रामीण स्वास्थ्य ढ़ांचे में भी उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। अब हर प्रखंड में एक 30 बेड वाला अस्पताल है और जिला स्तर पर 21 मॉडल अस्पताल स्थापित किये गए हैं। सीमांचल और पूर्वांचल जैसे इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और स्वास्थ्य उपकेंद्रों का कायाकल्प किया गया है। हमारे हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में अब 12 प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं जो रोगों की शुरूआती पहचान और रोकथाम में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ग्रामीण प्रथम नीति के तहत जब लोग अपने प्रखंड में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देखते हैं तो उन्हें भरोसा होता है। हमारा लक्ष्य है कि हर पंचायत और गाँव तक गुणवत्तापूर्ण देखभाल पहुंचे।

उन्होंने कहा कि बिहार को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना है तो पहले उसे स्वस्थ बिहार बनाना होगा। इसमें कम्युनिटी रेडियो हमारी अहम् साझेदार है जो सरकार की योजनाओं और जनता की आवाज के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। यह पहल बिहार को समावेशी औत अंतिम छोर तक पहुंचने वाली स्वास्थ्य संचार नीति को मजबूती देती है। यह इंटरव्यू एक व्यापक ऑडियो और विडियोकास्ट श्रृंखला का हिस्सा है जिसमे स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों से जुड़ी कम्युनिटी रेडियो इकाइयाँ शामिल हैं, जो आज भी सूचनात्मक अंतर को पाटने और नागरिक भागीदारी को सशक्त करने का एक सशक्त माध्यम बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा, बिहार को विकसित और आत्मनिर्भर बिहार बनाने के लिए सबसे पहले उन्हें स्वस्थ बिहार बनाना होगा। कम्युनिटी रेडियो सूचना की खाई को पाटने और सरकारी स्वास्थ्य पहलों को अंतिम छोर तक पहुंचाने में अहम् भूमिका निभा रहे हैं। यह साक्षात्कार नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

प्रशांत किशोर को सीएम नीतीश के गांव में जाने की नहीं मिली इजाजत

विकास और भ्रष्टाचार की कलई खुल जाती इसलिए प्रशासन ने रोका: पीके

केटी न्यूज/पटना

राजनीतिक रणनीतिकार से जनसेवक बने प्रशांत किशोर रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैतृक गांव जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें रास्ते में पुलिस ने रोक दिया। प्रशांत किशोर अपनी टीम के साथ गांव के दलित परिवारों से मिलने जा रहे थे। उनका कहना है कि इन परिवारों को सरकार की योजनाओं का फायदा नहीं मिल रहा है। जब पुलिस ने उन्हें रोका, तो प्रशांत किशोर ने कहा, आप यहीं रुकिए, हमारे आगे चार लोग जा रहे हैं। हमें जानकारी है कि यहां धारा 144 लागू नहीं है। यह लोकतांत्रिक देश है। किसी गांव में जाने और लोगों से मिलने पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, अगर सरकार को अपने ही गांव में लोगों से मिलने देने में डर लग रहा है, तो फिर पूरे बिहार के 40,000 गांवों को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, हम बस यह देखना चाहते हैं कि अगर नीतीश जी के गांव में किसी को योजना का फायदा मिला है, तो उनसे मिलें और बात करें। उन्होंने कहा सीएम के गांव में विकास और भ्रष्टाचार की कलई खुल जाती इसलिए प्रशासन ने नीतीश कुमार के गांव में जाने से रोक दिया।

प्रशांत किशोर ने 2008 में नीतीश कुमार की उस घोषणा का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि सभी दलित और महादलित परिवारों को तीन लाख रुपये की जमीन दी जाएगी। किशोर ग्रामीणों से यह जानना चाहते थे कि क्या उन्हें वाकई इस योजना का फायदा मिला है या नहीं। प्रशांत किशोर ने जमीन के सर्वे और कागजों के काम में हो रहे भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हम कल्याणबीघा गांव में जाकर लोगों से बस यह पूछना चाहते हैं कि जमीन के कागज बनवाने, रसीद कटवाने और दाखिल-खारिज करवाने में अधिकारी या नेता आपसे पैसे मांगते हैं या नहीं? उन्होंने यह भी साफ किया कि वह कोई धरना या सभा नहीं कर रहे हैं, सिर्फ गांव वालों से मिलकर बातचीत करना चाहते हैं।

बोले सरकार डर रही हैः प्रशांत किशोर ने कहा, हम तो सिर्फ लोगों से सवाल पूछना चाहते हैं। अगर सवाल पूछने से भी रोका जा रहा है, तो इसका मतलब है कि सरकार डर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। गांव में आने-जाने वाले हर व्यक्ति से पूछताछ की जा रही थी। जनसुराज अभियान के कार्यकर्ताओं को गांव में घुसने नहीं दिया जा रहा था। इस मामले में एसडीओ काजले वैभव नितिन ने कहा कि बिहार शरीफ के श्रम कल्याण मैदान में 8 हजार लोगों की सभा की अनुमति दी गई है। लेकिन कल्याणबिघा गांव में भीड़ जुटाने की इजाजत नहीं है। अगर सभा करनी है तो तय जगह पर जाएं।

फर्जी महिला डॉक्टर पकड़ाई, घर से मिले 21 लाख कैश व शराब

पटना। बिहार के बेतिया में एक फर्जी महिला डॉक्टर द्वारा गलत इलाज किए जाने के कारण एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए लोगों ने अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी। घटना राज शिव मंदिर के समीप अर्जुन नगर इलाके में स्थित एक अवैध नर्सिंग होम में हुई। आरोपी डॉ. ऊषा देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को आरोपी के घर से 21 लाख नगद, चार बोतल विदेशी शराब (रॉयल स्टैग) और पांच बाइक बरामद हुई हैं।

समस्तीपुर में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप से लाखों की लूट, दुकानदार को मारी गोली

केटी न्यूज/समस्तीपुर

समस्तीपुर में बेखौफ बदमाशों ने कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर टारा चौक स्थित ज्वेलरी शॉप को निशाना बनाते हुए दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दिया। विरोध करने पर दुकानदार को गोली मार दी। तीन हथियारबंद अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप में घुसकर लाखों के गहने और कैश लूटकर फरार हो गये। गोली लगने से दुकानदार घायल हो गया। जिसे आनन-फानन में इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल दुकानदार की पहचान फूल बाबू साह के रूप में हुई है। घायल दुकानदार ने बताया कि तीन युवक ग्राहक बनकर दुकान में घुसे और अचानक पिस्टल निकाल कर लूटपाट करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तब एक अपराधी ने उन पर गोली चला दी और सभी आरोपी दुकान से लाखों के स्वर्ण आभूषण और लगभग 1.5 लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कल्याणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी।

पुलिस आसपास इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी है। थाना क्षेत्र में विशेष तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा कर रही है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों में घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल देखने को मिल रहा है। कारोबारियों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग दोहराई है। फिलहाल घायल फूल बाबू साह का इलाज अस्पताल में चल रहा है। उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

घटना के संबंध में दुकानदार के पारिवारिक सहयोगियों का बताना है कि रविवार को 11:45 बजे के बूंदाबांदी हो रही थी। इसी दौरान दुकान से आगे जाकर बाइक लगाकर तीन की संख्या में अपराधी बाइक से उतरे और दुकान के अंदर दाखिल हुए। अचानक हथियार के बल पर दुकान के अंदर बैठे ग्राहक व दुकानदार को कब्जे में ले लिया। लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद आभूषण और कैश लूटकर वहां से निकलने का प्रयास किया। विरोध करने पर एक अपराधी ने दुकानदार के दाहिने जांघ में गोली मार दी। जिसके बाद वह गिर गया। शोर मचाने पर सभी अपराधी बाइक पर सवार होकर फरार हो गये।

गोली मारकर भाग रहे दो अपराधियों को लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला

समस्तीपुर। समस्तीपुर में रविवार रात आठ बजे दो सगे भाई किराना व्यवसायियों को अपराधियों ने गोली मार दी। उसी दौरान फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। उग्र भीड़ ने दो बाइक पर सवार होकर भाग रहे चारों अपराधियों को घेर लिया और ईंट-पत्थर से पीट-पीटकर दोनों को मार डाला। वहीं दो अपराधी फरार हो गए। व्यवसायी दुकानदार अभिषेक आनंद और अनुराग आनंद को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के सरदारगंज चौक के पास की है। दोनों भाईयों ने पुलिस को बताया कि वे अपनी दुकान में बैठे हुए थे। उसी दौरान चार अपराधी पहुंचे और लूटपाट करने लगे। दुकान में रखा दो लाख रुपए से अधिक नकदी लेकर अपराधी मौके से निकलने लगे तो दोनों भाइयों ने विरोध किया। इसी को लेकर बदमाशों ने फायरिंग करनी शुरू कर दी। मौके पर एसपी अशोक मिश्रा के अलावा दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक शर्मा और आसपास के कई थानों की पुलिस पहुंची है।

पटना में मेला की भव्य शुरुआत, कोरियन और इंडियन जलपरियों का दिखेगा अनूठा संगम

डिज्नीलैंड मेला के साथ छुट्टियों को बनाएं यादगार

केटी न्यूज/पटना

गर्मियों की छुट्टियों में राजधानी पटना के बच्चों और परिवारों के लिए खुशखबरी है। पटना स्थित इस्कॉन मंदिर के सामने रविवार से डिज्नीलैंड मेला की भव्य शुरूआत हो गई है, जो आधुनिक तकनीक और पारंपरिक मेले का मनोरंजन एक साथ प्रस्तुत करता है। यह मेला हर उम्र के लोगों के लिए रोमांच, मस्ती और आनंद का अद्भुत अनुभव लेकर आया है। मेले के उद्घाटन के अवसर पर लंदन ब्रिज के प्रतीकात्मक गेट से एंट्री ने दर्शकों को पहली ही नजर में आकर्षित कर लिया। इस डिज्नीलैंड मेले में कोरियन और इंडियन जलपरियों का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है इसके अलावा देशी और विदेशी झूलों में टॉवर झूला, ब्रेक डांस, ड्रैगन ट्रेन, टोरा-टोरा नौका झूला, स्कॉर्पियो राइड, झूला, चांद-तारा, मिक्की माउस झूला सहित कई हाई-टेक एडवेंचर राइड्स शामिल हैं। छोटे बच्चों के लिए अलग से फैंटेसी झूले, कार्टून कैरेक्टर जोन और रंग-बिरंगी लाइटों से सजा एंटरटेनमेंट जोन भी मौजूद है। मेले का समय प्रतिदिन संध्या 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि लोग ऑफिस और दिनभर की व्यस्तता के बाद परिवार के साथ समय बिता सकें।

मेले के आयोजक आशीष कुमार और मिथिलेश कुमार ने बताया कि डिज्नीलैंड मेला पूरी तरह से सुरक्षित और पारिवारिक मनोरंजन की दृष्टि से डिजाइन किया गया है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और बच्चों की देखरेख के लिए विशेष स्टाफ तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि इस बार कोरियन और इंडियन जलपरियों का अनूठा संगम दर्शकों को देखने को मिलेगा जो अपने नृत्य के कला के माध्यम से दर्शकों को एक नई रुचि का अनुभूति कराएगी। उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में आने और मेले का आनंद लेने की अपील की। इस मेले में फूड स्टॉल, गेम जोन, वाटर बोट, गुब्बारे, खिलौने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की गई है, जो बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी लुभा रहे हैं।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 19 मई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मोरहाबादी में 22 करोड़ खर्च के बाद भी नहीं बना टाइम्स स्कायर, अब तोड़ा जा रहा स्टेज

रांची, एजेंसी। रांची के मोरहाबादी मैदान को न्यूयार्क के टाइम्स स्कायर की तर्ज पर विकसित करने पर 22 करोड़ रुपए खर्च किए गए। लेकिन पिछले सात सालों में यह टाइम्स स्कायर नहीं बन पाया। नगर विकास विभाग की एजेंसी जुडको ने मैदान में एक भव्य मंच और उसके ऊपर स्टील का टेनसाइल स्ट्रक्चर बनवाया था। इसमें करीब दो करोड़ रुपए खर्च हुए थे। इसके अलावा 11 एलईडी स्क्रीन, हाईमास्ट लाइट, 32 गोबो लाइट, डेकोरेटिव लाइट, कंट्रोल रूम, पैनल रूम, ट्रांसफार्मर और दो जनरेटर लगाए गए थे। लेकिन साल में दो से तीन बार ही एलईडी स्क्रीन का इस्तेमाल हुआ। आम लोगों को इससे कोई फायदा नहीं हुआ। मैदान में बने मंच का ही इस्तेमाल हो रहा था, लेकिन अब विधि-व्यवस्था का हवाला देकर उसे भी तोड़ा जा रहा है। मंच को तोड़कर मैदान को समतल किया जाएगा। लेकिन इसके लिए कहीं से भी एनओसी नहीं ली गई है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के निर्देश पर इतनी बड़ी संरचना का निर्माण हुआ था, लेकिन किसके निर्देश पर तोड़ा जा रहा है, इस पर अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। मालूम हो कि मोरहाबादी में स्थाई मंच बनने की वजह से टेंट हाउस वालों की दुकानदारी बंद हो गई थी। क्योंकि, जब भी कोई राजनीतिक या अन्य कार्यक्रम होते थे तो मंच बनाने की जरूरत नहीं पड़ती थी। मंच टूटने से एक बार फिर टेंट हाउस वालों की चांदी हो जाएगी।

मंडल डैम से प्रभावित 780 परिवारों को गढ़वा जिले में बसाने की तैयारी, मुआवजे को लेकर भी आया अपडेट

रांची, एजेंसी। उत्तर कोयल नहर परियोजना यानि मंडल डैम के डूब प्रभावित क्षेत्र में आने वाले लोगों को पुनर्वासित करने की योजना जल्द ही पूरी होने वाली है। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने हाल ही में इस क्षेत्र का दौरा किया था और लोगों को सुविधायुक्त पुनर्वास का निर्देश दिया था। जानकारी के मुताबिक मंडल डैम से प्रभावित 780 परिवारों को 15-15 लाख रुपये और एक एकड़ जमीन दी जाएगी। गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के विश्रामपुर में इन प्रभावित परिवारों को बसाने की तैयारी है। 1972 में बनी मंडल डैम योजना को अब तक पूरा नहीं किया जा सका है। जनवरी 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डैम के अधूरे काम को पूरा करने वाली योजना का शिलान्यास किया है। हालांकि, इसके बाद से अब तक कोई निर्माण इस क्षेत्र में नहीं हुआ है। यह ऐसा पहला प्रोजेक्ट है, जिसके पूरा होने के लिए केंद्रीय कैबिनेट की ओर से दो बार राशि निर्गत की गई है। मंडल डैम लगभग बनकर तैयार है। बिहार और झारखंड क्षेत्र में नहर का निर्माण भी हो चुका है, लेकिन डैम की मौजूदा 367 मीटर उंचाई को कम करने के लिए पलामू टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से कहा गया है। उंचाई कम करने से हजारों की संख्या में पेड़ कटने से बच जाएंगे।

विश्व बैंक, एएफडी, एनसीडीसी और झारखंड मत्स्य विभाग पहुंची तिलैया डैम

हजारीबाग, एजेंसी। जिले के बरही अनुमंडल अंतर्गत तिलैया जलाशय विश्व बैंक, एएफडी, एनसीडीसी और झारखंड राज्य मत्स्य विभाग की टीम पहुंची। तिलैया डैम स्थित बुंडु में संचालित केज कल्चर गतिविधियों का टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। टीम का नेतृत्व विश्व बैंक के वरिष्ठ मत्स्य उद्योग मानक विशेषज्ञ जूलियन मिलियन ने किया। एएफडी से मिस ऑर्फी सिलार्ड और निधि बत्रा, भारत सरकार से आईए सिद्धिकी और नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड से मासूम वहीद शामिल थे। इस भ्रमण का उद्देश्य प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना की प्रगति का मूल्यांकन करना और मत्स्य किसानों की आर्थिक स्थिति का आकलन करना था। यह गतिविधि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट योजना के अंतर्गत चिह्नित की गई है। जिसके माध्यम से स्थानीय मत्स्य कृषकों को आर्थिक रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। टीम ने जलाशय में लगे केजों की संरचना, प्रबंधन, उत्पादन प्रणाली और किसानों की भागीदारी का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मत्स्य कृषकों से सीधा संवाद भी किया। निरीक्षण टीम के सामने किसानों ने अपनी चुनौतियां साझा करते हुए राज्य में स्थानीय स्तर पर उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन इकाई और हाईटेक फीड निर्माण इकाई की आवश्यकता पर बल दिया है।

सीबीआई करेगी झारखंड शराब घोटाले की जांच

छापामारी में जब्त सामान को लेकर भी आदेश जारी

रांची, एजेंसी। के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व अधिकारियों सहित अन्य के ठिकानों से जब्त आइफोन व अन्य दस्तावेज फिलहाल ईडी के कब्जे में ही रहेंगे। यह निर्देश नई दिल्ली स्थित ईडी की न्याय निर्णय प्राधिकरण (एडजुकेटिंग अथॉरिटी) का है।

एडजुकेटिंग अथॉरिटी ने ईडी की याचिका पर सुनवाई के बाद यह यह आदेश दिया है। शराब घोटाला मामले में मनी लांड्रिंग के तहत जांच के दौरान ईडी ने यह जब्ती 29 अक्टूबर 2024 को की थी। तब ईडी ने शराब घोटाला मामले में झारखंड व छत्तीसगढ़ के अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर एक साथ छापामारी की थी। इस छापामारी में झारखंड की वर्तमान उत्पाद नीति (जनवरी 2022 में छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड के मॉडल आधारित) से जुड़े कागजात, प्रिज्म कंपनी के होलोग्राम के नमूने, दो आइफोन, अन्य मोबाइल आदि की बरामदगी हुई थी। उक्त साक्ष्य व दस्तावेज ईडी के कब्जे में रहे, इसके लिए ही ईडी ने एडजुकेटिंग अथॉरिटी में याचिका दाखिल कर रखी थी।

पूरा मामला झारखंड में 31 मार्च 2022 से लागू नई उत्पाद नीति से संबंधित है। आरोप है कि इसके लिए जनवरी 2022 में झारखंड में उत्पाद नीति को बदलने के लिए छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ तत्कालीन उत्पाद सचिव व अन्य अधिकारियों ने प्लान किया और रायपुर में बैठक की थी।

यह भी आरोप है कि उत्पाद नीति लागू होने के बाद दो वर्षों तक झारखंड उत्पाद नीति में छत्तीसगढ़ की एजेंसियां कार्यरत रहीं। नकली होलोग्राम, अवैध शराब की सप्लाई कर झारखंड सरकार को करोड़ों की क्षति पहुंचाई गई। ईडी की जांच जारी है। झारखंड के तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह व अन्य के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा रायपुर में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ही ईडी ने गत वर्ष अपने यहां ईसीआइआर दर्ज किया था। उक्त केस रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

विकास सिंह का आरोप था कि छत्तीसगढ़ के तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव अनिल टुटेजा, छत्तीसगढ़ राज्य मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी, रायपुर के बैरन बाजार निवासी अनवर ढेबर व उनके सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर साजिशपूर्वक झारखंड की आबकारी नीति में फेरबदल किया।

झारखंड में देशी व विदेशी शराब का ठेका सिंडिकेट के लोगों को दिलवाकर धोखाधड़ी की और झारखंड सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। इस सिंडिकेट में झारखंड में बेहिसाब नकली होलोग्राम लगी देशी शराब की बिक्री कर तथा विदेशी शराब की सप्लाई का काम दिलवाकर उन कंपनियों से करोड़ों रुपये का कमीशन लिया।

शराब घोटाला प्रकरण में रायपुर की आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) में दर्ज केस में जल्द ही सीबीआई की एंट्री होगी। ईओडब्ल्यू ने सीबीआई से इसकी अनुशंसा की थी और उक्त केस की जांच करने का आग्रह किया है।

इससे संबंधित दस्तावेज भी ईओडब्ल्यू ने सीबीआई मुख्यालय को भेजा था। बताया जा रहा है कि झारखंड में शराब घोटाला केस में सीबीआई जांच होगी। इसकी तैयारी चल रही है।

हीट वेव की चपेट में खूंटी जिला, 15-20 हर रोज अस्पताल में हो रहे एडमिट!

खूंटी, एजेंसी। इन दिनों खूंटी और आसपास के क्षेत्रों के लोग गर्मी से परेशान हैं। जिला का तापमान लगातार बढ़ रहा है। चिलचिलाती गर्मी ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। इससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं और रोजमर्रा की जिंदगी जीवन यापन करने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है।

हालांकि इस बीच अचानक मौसम बदलने व हवा चलने के कारण गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली। पिछले एक सप्ताह से जिला का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिसकी वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं, जिसमें ज्यादातर बच्चे शामिल है। सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है।

डॉक्टर ने दी गर्मी से बचने की सलाह: खूंटी सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ। आनंद किशोर उरांव ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ ही मरीजों की संख्या बढ़ी है। पहले जहां दो ढाई सौ मरीज अस्पताल आते थे। वहीं अब इसकी संख्या बढ़कर तीन सौ पार हो गयी है। ज्यादातर मरीज बुखार, दस्त, डिहाइड्रेशन, सिर दर्द आदि शिकायत लेकर आ रहे है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में सभी तरह की इलाज की व्यवस्था है। सिविल सर्जन डॉ। नागेश्वर मांझी ने गर्मी से बेहाल लोगों को विशेष सलाह दी है। सीएस ने कहा कि लिक्विड पदार्थ का सेवन अधिक करें। बहुत जरूरी हो, तभी सिर में कपड़ा, टॉपी पहनकर ही घर से बाहर निकलें। खाली पेट बिल्कुल भी न रहें। हमेशा पानी पीते रहें। ज्यादा से ज्यादा लिक्विड पदार्थ का सेवन करें। संभव हो तो नॉन वेज का इस्तेमाल कम से कम करने का प्रयास करें।

हज यात्रा की तैयारियों को लेकर मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने की समीक्षा बैठक

रांची, एजेंसी। हज यात्रा से जुड़ी तैयारियों की शुक्रवार को कडरू स्थित हज हाउस में विस्तृत समीक्षा हुई। हज-2025 की तैयारियों को लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एवं हज कमेटी के अध्यक्ष डॉ इरफान अंसारी ने समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले झारखंड के लगभग 1300 हज यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और संपूर्ण व्यवस्था को बेहतर बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा।

अधिकारियों को डॉ इरफान अंसारी का निर्देश : डॉ। इरफान अंसारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी हज यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं जैसे आवास, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर भोजन उपलब्ध हो इसकी व्यवस्था में अभी से लग जाएं।

उन्होंने कहा कि हज यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुखद बनाने की दिशा में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हज यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। सभी आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की जा चुकी है और मेडिकल टीमों को पूरी तरह से तैयार रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके।

जल्द शुरू होगी हजयात्रियों के टीकाकरण और अन्य प्रक्रिया : डॉ।इरफान अंसारी ने यह भी जानकारी दी कि हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, दस्तावेज़ सत्यापन, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य के हज यात्रियों को हर संभव सुविधा देने हेतु संकल्पित है। राज्य हज कमेटी और संबंधित विभाग हज-2025 को सफल, सुव्यवस्थित और यात्री हित में सम्पन्न कराने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्यरत हैं।

लरंगो में कोयल नदी से अवैध बालू का हो रहा उठाव

सिसई, एजेंसी। सिसई प्रखंड क्षेत्र के लरंगो गांव स्थित कोयल नदी में दर्जनों ट्रेक्टर लगाकर नदी का अंधाधुंध दोहन कर जीएसएमडीसी के भंडारण स्थल में भारी मात्रा में बालू भंडारण करने में जुट गए हैं। सभी नियम कानून को ताक पर रखकर 30 से 35 ट्रैक्टर से प्रतिदिन बालू उठाव कराया जा रहा है। जिसमे अधिकांश ट्रैक्टर बिना नम्बर का है, ग्रामीणों के अनुसार बंदोबस्त क्षेत्र से हटकर भी नदी से बालू का उठाव किया जा रहा है। जिससे लरंगो व बाला खटंगा के ग्रामीणों की जेएसएमडीसी के कर्मियों से आए दिन नोकझोंक होते रहती है। यह नोकझोंक किसी दिन मारपीट में तब्दील हो जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि जेएसएमडीसी के द्वारा सीमा क्षेत्र से बाहर अतिक्रमण कर बालू उठाव करने को लेकर पूर्व में दर्जनों बार कर्मियों व ग्रामीणों का टकराव हो चुका है। चार से पांच बार प्रशासन मापी कर सीमांकन भी कर चुका है। किन्तु जेएस एमडीसी के सीमांकन क्षेत्र में बालू नहीं होने के कारण अतिक्रमण कर घाघरा प्रखंड क्षेत्र से बालू का उठाव किया जाता रहा है। अवैध बालू उठाव को लेकर घाघरा प्रखण्ड के नवाडीह पंचायत की पूर्व मुखिया बांदों देवी करीब दो साल पहले जेएसएमडीसी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराई थी। कोर्ट के निर्देश पर उस समय प्रशासन ने जेएस एमडीसी का 8 से 9 लाख सीएफटी बालू भंडारण स्थल में जब्त किया है।

पिछले एक सप्ताह से जेएसएमडीसी के लोग उक्त जब्त बालू के चारो ओर बालू गिराकर दिया है, इससे उन लोगो की जब्त बालू को कब्जाने की मंशा साफ दिखाई देता है। जेएसएमडीसी के बंदोबस्त नदी क्षेत्र खेत मे परिवर्तित होते जा रहा है,नदी में घांस उग आए है। भंडारण का कही कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। लंरगो पंचायत के मुखिया पति सह पूर्व मुखिया सुफल उरांव ने बताया कि वर्ष 2017 के पहले की तरह बालू घाटों की अब खुली नीलामी जिलों के द्वारा की जाएगी। बालू घाटों पर अब जेएसएमडीसी का अधिकार समाप्त हो गया है। जेएसएमडीसी के पास यह अधिकार अब 31 अगस्त 2025 तक ही है। झारखंड सरकार कैबिनेट की नौ मई को हुई बैठक में झारखंड सैंड माइनिंग रूल 2025 को अधिसूचित करने की स्वीकृति दी गई है।

लरंगो कोयल नदी घाट की बंदोबस्ती का सबसे अधिक लरंगो व नवाडीह पंचायत के लोगो को उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगो को सरकारी आवास,विकास योजना और निजी मकान बनाने वालों को भी जेएसएमडीसी के चलान से 3 हजार से 35 सौ तक चुकाकर लेना पड़ रहा है।

मरने का नाटक कर अपराधी ने बचायी थी ग्रामीणों से जान, इलाज के बाद भेजा गया जेल

धनबाद, एजेंसी। बिराजपुर बाजार के सर्राफा कारोबारी सहदेव सोनार से लूटपाट के दौरान ग्रामीणों के हत्थे चढ़े कारू महतो को एसएनएमएमसीएच में इलाज के बाद बरवाअड्डा पुलिस ने गुरुवार को धनबाद जेल भेज दिया है।पुलिस पूछताछ में कारू ने बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना दीपक दास (गिरिडीह) व पुनीत तुरी (नावाडीह-बोकारो) है।दीपक दास ने उसे बिराजपुर के एक सर्राफा कारोबारी को लूटने के लिए बरवाअड्डा बुलाया था।दीपक दास व पुनीत तुरी से दोस्ती तेनुघाट जेल में हुई थी।जेल से छूटने के बाद दीपक ने सर्राफा कारोबारी से लूटपाट की योजना बनायी।इसके बाद तीनों एक ही बाइक से शाम पांच बजे बिराजपुर बाजार पहुंचे।

यहां सर्राफा कारोबारी की दुकान का मुआयना किया।बाजार में भीड़भाड़ को देखते हुए तीनों बिराजपुर से पंजनिया, बेहराडीह होते हुए काडालगा-मरिचो चले गये।फिर रात आठ बजे बिराजपुर बाजार पहुंचे।वहां लोगों का अधिक आवागमन को देखते हुए योजना बदल दी।सड़क पर गुजरने के दौरान लूटने की योजना बनायी।फिर खंडेरी, मिश्रडीह होते हुए पथिकडीह मोड़ पहुंचे।हमलोग अमन साहू गैंग से जुड़े हुए हैं।बिराजपुर बाजार स्थित सहदेव सोनार के ज्वेलर्स दुकान के सामने स्थित एक अन्य सोना, चांदी के व्यापारी को लूटने की योजना बनी थी।लेकिन इससे पूर्व सहदेव सोनार आ गया और हमलोगों ने उससे लूटपाट की।लोकल लिंक से पता चला कि बिराजपुर बाजार के जिस सर्राफा कारोबारी को लूटना था।वह अभी तक दुकान बंद कर नहीं निकला है, तो सहदेव सोनार को बंधक बनाकर उसके आना का इंतजार करने लगे।इस दौरान कारू पकड़ा गया।ग्रामीण मुझसे मारपीट करने लगे, तो मैं मरने का नाटक कर अपनी जान बचायी.

कारू ने पुलिस को बताया कि दीपक दास गिरिडीह में रहता है।वहां उसकी बहन का घर भी है।उसकी बहन के घर में हमलोग दो दिन रुके हुए थे।दीपक के पिता बीसीसीएल कर्मी थे।पहले दुग्दा में रहते थे।लेकिन पिता के रिटायर्ड होने के बाद गिरिडीह में रहने लगे।दीपक ने घटना को अंजाम देने के लिए बेंगाबाद-गिरिडीह में हथियार खरीदा था।फिर हमलोग हथियार लेकर सोना, चांदी के व्यापारी को लूटने बिराजपुर पहुंचे.

पुलिस जांच में यह बात सामने आयी है कि अपराधी पुनीत तुरी व कारू महतो नावाडीह थाना के समीप रहते हैं।दोनों घर में बहुत कम रहते हैं।कभी-कभी अपने घर में आते हैं।दोनों की गर्लफ्रेंड हैं।कारू महतो ने ओडिशा से एक महिला को भगाकर अपने घर में रखा हुआ।इसी को लेकर विवाद होने के बाद दूसरी जगह रहने लगा।इस संबंध थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने कहा कि कारू महतो से पूछताछ में अहम जानकारी मिली है।कारू महतो को जेल भेज दिया गया।फरार अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी जारी है.

...तो क्या दुष्कर्मी को इनाम देगी झारखंड सरकार नवाडीह की घटना पर चंपाई सोरेन का तीखा हमला

बोकारो, एजेंसी। नावाडीह की घटना पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने सरकार के कार्य प्रणाली पर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस के अनुसार, महिला ने आत्मरक्षा में शोर मचाया और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर उसकी मदद की। पर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एक पक्षीय काम कर रहे हैं। उन्होंने मृतक आरोपी के परिवार को 6 लाख रुपये की सहायता और स्वास्थ्य विभाग में नौकरी देने की घोषणा की।

इसमें राहुल गांधी की ओर से 1 लाख, मुख्यमंत्री की ओर से 1 लाख और राज्य सरकार की ओर से 4 लाख की मदद शामिल है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्या अब रेपिस्ट को इनाम मिलेगा? यह आदिवासी समाज और हमारी बेटियों का अपमान है। बताया है कि एक गांव में एक आदिवासी महिला ने आरोप लगाया कि एक मुस्लिम युवक, अब्दुल अंसारी, ने उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की।

महिला के शोर मचाने पर गांव वाले इकट्ठा हो गए और उसे बचाया। इस दौरान हुई हाथापाई में आरोपी घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, महिला ने आत्मरक्षा की और शुरुआती जांच में यह पाया गया कि महिला पर हमले की पुष्टि होती है। इसके बावजूद एक पक्षीय कार्रवाई हो रही है। चंपाई सोरेन ने इसे झारखंड की आत्मा पर हमला बताया और सवाल उठाया कि एक दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ी सरकार क्या आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है?

उन्होंने इसे वोट बैंक की राजनीति करार देते हुए कहा कि यह फैसला कानून और नैतिकता दोनों के खिलाफ है। उन्होंने आदिवासी समाज से जागरूक होने और इस अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करने की अपील की।

चंपाई सोरेन ने कहा कि जागो आदिवासियों, जागो, अगर आज नहीं बोले, तो कल हमारी बेटियां असुरक्षित होंगी।बोकारो की यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि राज्य की संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय और राजनीतिक नैतिकता की कसौटी बन गई है।

चंपाई सोरेन की प्रतिक्रिया ने इस पूरे मुद्दे को राज्यव्यापी बहस में बदल दिया है। अब देखना यह है कि सरकार इस पर क्या सफाई देती है और जनता क्या फैसला करती है।

झारखंड में विदेश में बनी शराब सस्ती मिलेगी : मॉडल दुकानों में होगी बैठ कर पीने की सुविधा

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब विदेशों में बनी शराब सस्ती मिलेगी। जबकि राज्य में बनी और यहां बिकने वाली पॉपुलर ब्रांड की शराब महंगी हो जाएगी। नई उत्पाद नीति में शराब पर लगने वाली वैट में कटौती की गई है। इसी वजह से ऐसा हो रहा है। इसके अतिरिक्त नई शराब नीति दुकानों से न केवल शराब खरीदने की सुविधा दे रहा है बल्कि अब दुकानों में ही बैठ कर पीने की भी व्यवस्था रहेगी। ऐसा उन दुकानों में होगा जिसे मॉडल शराब दुकान के नाम से खोला जाएगा। नगर निगम व परिषद क्षेत्र में विदेशी शराब की ऑफ दुकान को मॉडल शॉप में अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए तय शर्तों के अनुसार जगह जरूरी होगी।

वातानुकूलित कक्ष, टेबल-कुर्सी, किचन की व्यवस्था करनी होगी। मॉडल शॉप में वाइन, बीयर, ब्रीजर, विदेशी और आईएमएफएल ब्रांड मिलेंगे। इच्छुक व्यक्ति को पहले ऑफ दुकान की बंदोबस्ती लेनी होगी। अपग्रेडेशन के लिए नक्शा समेत दस्तावेज जमा करने होंगे।

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग नई शराब नीति को लागू करने में जुट गया है। अब तक कहा जा रहा था कि जून से ही नई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी पर ऐसा होता दिख नहीं रहा है। नीति के बनने से लेकर उसे लागू करने की प्रक्रिया में औसत 40 से 45 दिन लगने की संभावना है। इस वजह से खुदरा शराब की दुकानें, जुलाई महीने से ही निजी हाथों में जा सकेंगी। फिलहाल, विभाग नई उत्पाद नीति लागू करने के लिए आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने में जुटा है।

राज्य में खुदरा शराब की दुकानों का ई-लॉटरी के माध्यम से बंदोबस्त किया जाना है। इसके लिए एनआईसी की मदद से सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग भी की जा चुकी है। अब सॉफ्टवेयर के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में दुकानों के आवंटन के लिए मिलने वाले आवेदनों का त्वरित गति से निष्पादन हो सकेगा। कम से कम समय में ही यह तय हो जाएगा कि किस आवेदक को संबंधित दुकानों की बंदोबस्ती मिलेगी। इसके बाद संबंधित आवेदक द्वारा सभी तरह के शुल्क और अन्य दस्तावेज जमा कर दुकानों का लाइसेंस लिया जाएगा।

राज्य में शराब की खुदरा दुकानों की संख्या 1453 है, जिनकी बंदोबस्ती की जानी है। हालांकि, समीक्षा के बाद कुछ जिलों में खुदरा शराब की दुकानों में वृद्धि की भी संभावना है। दुकानों की बंदोबस्ती समूह के आधार पर की जाएगी। एक समूह में एक से लेकर अधिकतम चार दुकानें शामिल रहेंगी। सरकार का यह प्रयास रहेगा कि शराब की सभी 1453 खुदरा दुकानों की बंदोबस्ती हो जाए, ताकि सरकार को इसका पूरा का पूरा राजस्व मिल सके। इसके लिए विभागीय स्तर पर अलग से तैयारी की जाएगी, ताकि कोई भी दुकान बिना बंदोबस्त न रह सके। आयुक्त उत्पाद विजय कुमार सिन्हा प्रशिक्षण लेने राज्य से बाहर गए हैं। ऐसे में पांच अप्रैल से ही उत्पाद आयुक्त का पद खाली चल रहा है। वे 13 जून तक प्रशिक्षण में रहेंगे। इतनी लंबी अवधि के लिए भी किसी को उत्पाद आयुक्त का प्रभार नहीं दिया गया है। उत्पाद आयुक्त की अनुपस्थिति में ही नई उत्पाद नीति लागू करने की कार्रवाई शुरू की गई है। नई उत्पाद नीति के कैबिनेट से पारित होने के बाद अब सबसे पहले गजट नोटिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यालय स्तर पर सेल नोटिफिकेशन जारी होगा। फिर मुख्यालय द्वारा भेजे गए प्रारूप के आधार पर राज्य के विभिन्न जिलों में सेल नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा, जिसमें दुकानों के लिए कब आवेदन देना है, कब आवेदनों की स्क्रूटनी होगी, यह सारी जानकारी शराब कारोबारियों को दी जाएगी, ताकि वे दुकानों की बंदोबस्ती के लिए उचित दस्तावेज के साथ समय पर आवेदन जमा कर सकें।

सुभाषितम्

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मजबूत गुण होता है। - अज्ञात

भ्रष्टाचार पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से जागी लोकतंत्र की उम्मीद

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही दिन केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की संवैधानिक ज़िम्मेदारी का प्रमाण है। 1998 में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री रहते हुए नारायण राणे ने जिस 30 एकड़ वन भूमि को बिल्डरों को सौंप दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने उसे अवैध घोषित करते हुए, भूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का आदेश दिए हैं। सुप्रीमकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है, सत्ता में बैठे लोग कानून से ऊपर नहीं हैं। वह मनमाने निर्णय नहीं ले सकते हैं। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है। जब देश में भ्रष्टाचार को लेकर गहरा अविश्वास एवं आम जनता में गुस्सा फैल रहा है। सत्ता में बैठे कई नेताओं पर गंभीर आरोप लगते हैं। वर्तमान सरकारें भ्रष्टाचारा आरोपों की जांच भी नहीं कराना चाहती हैं। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला देना, वर्तमान समय में न्यायपालिका का साहसिक संकेत है। न्यायिक प्रणाली में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और नेताओं को उनकी पोजीशन के कारण नजर अंदाज न्यायपालिका नहीं करेगी। इस फैसले ने देश में नेता-बिल्डर-अधिकारियों के उस गठजोड़ को उजागर किया है। जो पिछले कई दशकों से सरकारी एवं जनहित की भूमि को अपने लाभ के लिए बेचता आया है। यह सरकारी एवं प्राकृतिक संसाधनों की लूट है। जनता के भरोसे और उनके प्राकृतिक, मौलिक अधिकारों की हत्या भी है। सुप्रीमकोर्ट का यह फैसला विकास के नाम पर की गई लूट को अवैध रूप से कानूनी जामा पहनाने और निजी मुनाफे कमाने का जरिया हैं। इस पर सुप्रीमकोर्ट ने न्याय की गाज गिराई है। सुप्रीमकोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से भाजपा की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर भी सवाल उठना शुरू हो जाएंगे। विकास के नाम पर जिस तरह से सरकारी और सार्वजनिक स्थलों की लूट की जा रही है। उन पर रोक लगेगी। स्वाभाविक है, नारायण राणे अभी केंद्र में मंत्री हैं। उनके बेटे राज्य सरकार में मंत्री हैं। भाजपा, केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीति वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है, तो केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले के बाद त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। केन्द्र सरकार को नारायण राणे को मंत्री परिषद से हटाना चाहिए। न्यायपालिका ने फैसला देकर अपनी भूमिका का निर्वाह किया है। अब बारी कार्यपालिका की है। कार्यपालिका भ्रष्टाचार के खिलाफ जनविश्वास को बहाल करे। यह फैसला राणे तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुप्रीमकोर्ट के आदेश बाद सभी राज्यों में ऐसे सभी सौदों की निष्पक्ष और कठोर जांच शुरू कर कार्यवाही होनी चाहिए। सुप्रीमकोर्ट का यह निर्णय आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के लिए सुप्रीमकोर्ट की यह एक चेतावनी भी है। यह महज भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कानूनी फैसला भर नहीं है। यह फैसला इस बात का संदेश देता है, न्याय में भले विलंब हो जाए। दोषी को समय आने पर दंड जरूर मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आते ही न्याय के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का अहसास करना शुरू कर दिया है। न्यायपालिका पिछले कुछ वर्षों से दबाव में काम करती नजर आ रही है। सरकार और सत्ता पक्ष के राजनेताओं के खिलाफ फैसला देने से न्यायपालिका डरने लगी है। जिस तरह से सरकार ने न्यायपालिका पर दबाव बनाया है। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह फैसला न्यायपालिका के प्रति विश्वास जगाने वाला है। न्यायपालिका को लेकर आमजनों के बीच जो इमेज बन रही थी। निश्चित रूप से सुप्रीमकोर्ट के सख्त रूख से आमजनों के बीच न्यायपालिका के प्रति एक नया विश्वास जागृत होगा। भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान मजबूत होगा। सभी की जिम्मेदारी तय होगी, यही कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास। एसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें। पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

पहलगाम त्रासदी : नफरत की तेज होती आंधी

- राम पुनियानी

पहलगाम के पास बैसरन में 26 पर्यटकों की हत्या हाल के समय की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है। बैसरन एक अत्यंत रमणीक स्थान है जहां सिर्फ घोड़े पर सवार होकर या ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल चलकर पहुंचा जा सकता है। इस हत्याकांड से सारा देश गहन शोक में डूब गया। यद्यपि आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या उनके धर्म की पहचान करके की थी, लेकिन हमले का शिकार होने वालों में एक स्थानीय मुसलमान घोड़े वाला, जो पर्यटकों के साथ आया था, भी था। वह तब मारा गया जब उसने आतंकियों का विरोध किया। कश्मीरी कुलियों ने पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और कश्मीरियों ने अपने घरों और मस्जिदों के दरवाजे मेहमानों के लिए खोल दिए। कश्मीर में बंद का आयोजन किया गया और हिंदू मुस्लिम एकता का संदेश देने वाले कई जुलूस निकाले गए। सारे देश में मुसलमानों और अन्यों ने मोमबत्ती जुलूस निकाले और शहीदों को श्रद्वांजलि अर्पित की। लगभग इन्हीं तारीखों में मोदीजी की कश्मीर यात्रा तय की गई थी। लेकिन निर्धारित तिथि के कुछ ही दिन पहले उसे रद्द कर दिया गया। घटना के समय वे सऊदी अरब में थे। घटना के बाद वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए। किंतु वापिस अपने के बाद कश्मीर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए बिहार चले गए जहां उन्होंने आतंकियों को अंग्रेजी में कड़ी चेतावनी दी। आतंकी मुसलमान थे और मारे गए लोग हिंदू थे। इसे दबे-छिपे ढंग से इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बना दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। मोदीजी ने इस बारे में कुछ अलग बात कही। इस बीच गोदी मीडिया की बन आई और उसने नफरत फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे अपने शानदार आरामदायक स्टूडियो में बैठे-बैठे पाकिस्तान के विभिन्न शहरों पर भारतीय सेना का कब्जा होने की खबरें देते रहे। गोदी मीडिया अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गया और उसने पत्रकारिता की आचार संहिता के उल्लंघन का नया रिकार्ड कायम किया, जिसे वह बहुत पहले ताक पर रख चुका है।

इस सबका सबसे बुरा नतीजा मुसलमानों के प्रति नफरत में बढ़ोत्तरी के रूप में सामने आया। सारा देश इस्लामोफोबिया के सैलाब में डूब गया और इसकी तीव्रता और स्तर अकल्पनीय ऊंचाई तक पहुंच गए। लातूर में एक मुसलमान पर पाकिस्तानी होने का लेबिल चस्पा कर उसकी बुरी तरह पिटाई गई। उसे इतना अपमान महसूस हुआ कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तराखंड के एक हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों को आधी रात को बाहर निकाल दिया गया और उन्हें देहरादून विमानतल के बाहर रात बितानी पड़ी। सबसे बुरी हरकत मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने की। उन्होंने भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी को ह्यआतंकवादियों की बहनह्य बताया। बाद में बात संभालने के लिए उन्होंने माफी मांग ली। सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एंड सेक्यूलरिज्म, मुंबई की मिथिला राऊत ने दैनिक लोकसत्ता (मराठी) में प्रकाशित अपने एक लेख में विभिन्न समाचारपत्रों में छपी खबरों के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ हुई नफरत-जनित हरकतों की जानकारी प्रस्तुत की है। उनके लेख के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद कई मुस्लिम विरोधी घटनाएं हुईं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं में से एक उत्तरप्रदेश के शामली के ठोडा गांव में हुई जहां गोविंद ने सरफराज पर हमला किया। गोविंद ने कहा कि तुमने हमारे 26 मारे हम भी तुम्हारे 26 मारेंगे! पंजाब के डेरा बस्सी में यूनिवर्सल समूह के छात्रावास में कश्मीरी छात्रों पर हमला किया गया।

मसूरी में रहने वाले शब्बीर धर नाम के एक कश्मीरी, जो शाल बेचते थे, और उनके सहायक पर हमला किया गया और उन्हें पहलगाम की हत्याओं का कुसूरवार बताते हुए धमकाया गया कि यदि वे दुबारा वहां नजर आए तो बहुत बुरा होगा। हरियाणा के रोहतक नाम के गांव में मुस्लिम निवासियों को धमकाया गया और उनसे 2 मई तक गांव छोड़ देने के लिए कहा गया।

ये तो केवल कुछ घटनाएं हैं जिनका विवरण समाचारपत्रों से पता लगा है। लेकिन इनसे यह साफ जाहिर है कि नफरत किस हद तक बढ़ गई है। समाज में माहौल धीरे-धीरे खराब हो रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने पहले से ही मुस्लिम विरोधी वातावरण बनाया हुआ है। शुरूआत में आरएसएस शाखाओं में मध्यकालीन इतिहास को तोड़-मरोड़ कर मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाई गयी। हाल के कुछ सालों में गोदी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए मुसलमानों की शत्रु की छवि बनाई गई। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान के निर्माण से साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को एक नया हथियार मिल गया और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि पाकिस्तान बनने के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं। यह पूरी तरह से इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली बात थी क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण की तीन वजहें थीं - अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति, मुस्लिम साम्प्रदायिकता और हिन्दू साम्प्रदायिकता। द्विराष्ट्र सिद्धांत सबसे पहले हिन्दुत्ववादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने पेश किया था। पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी।पी।सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे। इन सभी तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए मुसलमानों को पंडितों के पलायन की मुख्य वजह बताते हुए उनके प्रति घृणा को और बढ़ाया गया। इस तरह एक के बाद एक कई मसलों का इस्तेमाल भारतीय मुसलमानों को सताने के लिए किया गया। इन दिनों भाईचारे की बातें बहुत कम सुनायी पढ़ती हैं और हर घटना का इस्तेमाल मुसलमानों के प्रति पहले व्याप्त नफरत को और बढ़ाने के लिए किया जाता है।

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता

- विनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें, बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं

चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है ।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है

सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का,विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी ।जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजमीं में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है। जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश - विदेशों में की जय जयकार हो रही थी,तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया। यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया ।परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया।

उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी ।वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अखबारों की रिपोर्टों पर आधारित था ।अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)की धारा 196,जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है,इस मामले में प्रथम द्दष्टया लागू होती है ।मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया ।राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की ।कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को ह्लशर्मनाक और अश्लीलह्व कहा ।विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफी मांगी ।कर्नल सोफिया कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया,हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा ।ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है ।हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया,लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है ।उन्होंने कहा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं। इससे न केवल हमारे समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है,बल्कि देश की उन बेटियों का भी अपमान होता है जो देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही हैं। आप को बता दे कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मंत्री पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया। जहाँ विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है ।इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा दिए गए एफआईआर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं,सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक मंत्री है,ऐसे संवेदन शील वक्त में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए ।सीजेआई ने कहा कि आप जानते हैं ना कि आप कौन हैं? इस पर विजय शाह ने वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है ।मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है ।उनके वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने ऑर्डर पास करने से पहले हमें नही सुना गया ।सीजेआई ने कहा कि आप हाई कोर्ट के समक्ष क्यों नहीं गए?जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था ।सर्वविदित रहे कि विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक बयान दिया था ।उन्होंने एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लेकर विवादित बयान दिया था ।इस पूरे मामले पर विवाद गहराने के बाद विजय शाह ने आजतक से बातचीत के दौरान माफी मांगते हुए कहा था कि मैं सपने में भी कर्नल सोफिया बहन के बारे में गलत नहीं सोच सकता ।न ही मैं सेना के अपमान की बातें सपने में सोच नही सकता हुँ ।सोफिया बहन ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की। इसी बीच एक और विवाद खड़ा हुआ जब मध्य प्रदेश केउपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने एक सभा में अपने बड़ बोलेपन कह दिया कि पूरा देश और सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है। जो हमारी भारतीय सेना की गरिमा पर सीधा प्रहार था। देश की सेना एक संवैधानिक संस्था है,तीनों सेना के महामहिम राष्ट्रपति होता,जिसका स्पष्ट उल्लेख संविधान में वर्णित है ।देश की सेना न किसी राजनीतिक दल की है,न किसी व्यक्ति विशेष की होती है ।जो अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित होती है ।उसका समर्पण संविधान,राष्ट्र और उसकी अखंडता के प्रति है किसी नेता या सरकार के प्रति नहीं ।सम्पूर्ण विपक्ष ने इस पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा अपनी ह्यव्यक्ति पूजाह्व की राजनीति में सेना जैसे पवित्र संस्थान को भी लपेटने से नहीं चूकती ।उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक बयानबाजी ने नई हदें पार कीं जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए जातिसूचक टिप्पणी की ।बल्कि यह सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाली थी ।मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने इसे सेना और समाज दोनों का अपमान करार दिया ।भाजपा के कई अन्य नेताओं ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी ।वहीं,रामगोपाल यादव ने बाद में सफाई दी कि उन्होंने ऐसा किसी दुर्भावना से नहीं कहा, लेकिन सवाल फिर वही उठता है क्या इतने वरिष्ठ नेता को यह नहीं पता कि सार्वजनिक मंच से जातिसूचक शब्द कहना सामाजिक और संवैधानिक दोनों स्तरों पर अपराध है? भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें।

लाइक्स की दौड़ में खोती पहचान

-प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आजादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं जूम इन होती नजरों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो।

सच पूछो तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक प्रॉडक्ट बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो। वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मयार्दा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है। यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें बोल्ड होने का झूठा अर्थ बदन दिखाने से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आजादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़? सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो। सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज देना ही अगर बोल्डनेस है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या?

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं आपको लाभ देंगी। बॉस या सीनियर आपके काम से संतुष्ट रहेंगे।

तुला व्यावसायिक क्षेत्र में किसी विशेष रणनीति के ज़रिए लाभ कमा सकते हैं।

वृषभ आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन संतुलन बनाए रखने वाला है। कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है।

वृश्चिक आज करियर में चुनौती और अवसर साथ-साथ आएंगे। बॉस से मतभेद की स्थिति बन सकती है।

मिथुन करियर में दीर्घकालिक सफलता से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु आज दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरीपेशा लोगों को नुकसान की आशंका है।

कर्क आपको पुराने क्लाइंट से बकाया पैसा मिल सकता है या नई डील फाइनल हो सकती है।

मकर दिन मिलाजुला रहेगा। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें, विशेषकर आर्थिक विषयों में।

सिंह आज लाभ होगा और आपको आपको करियर में एक नई दिशा मिलने वाली है।

कुंभ आज दिन शुभ है और करियर के लिए सकारात्मक संकेत दे रहा है।

कन्या दिन अनुकूल है और किसी लंबित सरकारी कार्य या लोन अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी होने से राहत मिलेगी।

मीन प्रतिस्पर्धा होगी, लेकिन आप अपनी रचनात्मकता और कार्यकुशलता से सबसे अलग दिखेंगे।

विशेष

पाकिस्तान को डीजीएमओ वार्ता की चिंता

भारत और पाकिस्तान के बीच प्रस्तावित सैन्य स्तर की बातचीत को लेकर भ्रम की स्थिति पाकिस्तान की ओर से उत्पन्न की गई। दरअसल पाक उप-प्रधानमंत्री इशाक डार के उस दावे को भारतीय सेना पूरी तरह से खारिज करती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) के बीच 18 मई को बातचीत होनी है। भारतीय सेना ने स्पष्ट किया कि 18 मई को किसी प्रकार की डीजीएमओ स्तर की बातचीत तय नहीं की गई। सेना के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच 12 मई को हुई बातचीत के दौरान संघर्षविराम (सीजफायर) समझौते की कोई समय-सीमा तय नहीं की गई थी, जैसा कि डार ने दावा किया था। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर पाकिस्तान को डीजीएमओ वार्ता की इतनी चिंता क्यों हो रही है?

सहकारी यूनिवर्सिटी खोलने पर विचार

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के साइंस सिटी में आयोजित गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव यूनियन सम्मेलन में शिरकत करते हुए सहकारी समितियों के सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना पर गंभीरता से विचार कर रही है। गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने बताया कि वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी शुरूआत भारत से हुई है। उन्होंने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में सहयोग से समृद्धि का नारा दिया है और गुजरात में इस विचार को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1649 इंग्लैंड को राष्ट्रकुल घोषित किया गया. 1792 रूस ने पोलैंड पर हमला किया. 1897 युनान तुर्की युद्ध में संधि पर हस्ताक्षर किए गए. 1900 ब्रिटेन ने दक्षिणी प्रशांत स्थित टोंगो द्वीप समूह परकब्जा किया. 1904 प्रसिद्ध उद्योगपति जमशेद जी टाटा का जन्म हुआ. 1913 पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी का जन्म हुआ. 1930 दक्षिण अफ्रीका में श्वेत महिलाओं को मताधिकार मिला. 1945 द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीका के चालीस विमानों ने टोक्यो पर आक्रमण किया. 1971 कनाडा व सोवियत संघ में उच्च स्तरीय सम्पर्क बनाए रखने के लिए मास्कों में एक समझौता हुआ. 1971 भारतीय नौसेना के पहले नौसैनिक अड्डे का उद्घाटन हुआ. 1981 उत्तरी आयरलैंड में ।यरिश रिपब्लिकन आर्मी के हमले में ब्रिटेन के पांच सैनिक मारे गए तथा कई अन्य घायल हो गए.

दैनिक पंचांग

19 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.02 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	07.04 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.18 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.46 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	15.57 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.11 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.27 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.32 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	00.19 बजे से
		मीन	01.52 बजे से
		मेष	03.22 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 139 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 06.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 19.30 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 05.53 बजे तदनन्तर ब्रह्म 04.36 बजे प्रात: को समाप्त।
करण वणिज 06.12 बजे तदनन्तर विष्टि 18.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 47'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872349
जूलियन दिन 2460814.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद
तारीख 20

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सुरक्षित फसल रामतिल

भारत में इस फसल की खेती 5.42 लाख हेक्टेयर में प्रतिवर्ष की जाती है। इसकी औसत उत्पादन क्षमता 299 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से कुल उत्पादन 1.62 लाख टन प्रतिवर्ष होता है। अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य रामतिल के क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादन की दृष्टि से अग्रणी राज्य था। डिण्डोरी जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की जाती है जिसका औसत उत्पादन 200 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर है। यदि फसल को अच्छे प्रबंधन के साथ लगाया जाए तो उपज 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जाती सकती है। अनुकूल उत्पादन अवस्थाओं में इसका उत्पादन 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक भी प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार के अच्छे उत्पादन प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि कृषक उन्नतशील किस्मों का प्रयोग करें। मौसम के अनुसार उपयुक्त समय पर बुआई करें।

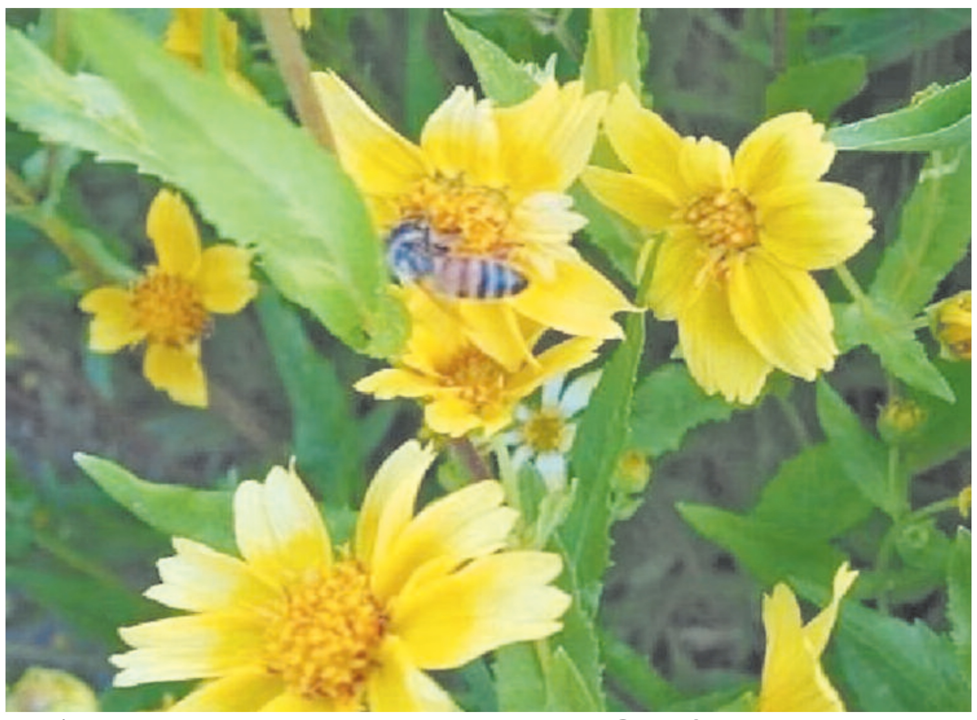

भूमि का चुनाव

यह फसल गहरी काली मिट्टी से भुरभुरी, रेतीली भूमियों जिसमें जल निकास की उत्तम क्षमता हो, में सफलतापूर्वक लगाई जा सकती है। अच्छी गहराई वाली मिट्टी जिसका पी.एच. मान 5.5 से 6.5 के बीच हो इस फसल के लिए अति उत्तम मिट्टी होती है। हल्की क्षारीय एवं लवणीय भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। परंतु भारी काली कपास वाली भूमि एवं पानी रुकने वाली भूमियां इसके खेती हेतु उपयुक्त नहीं है।

फसल पद्धति

रामतिल फसल की बुआई सामान्यत: मध्य अगस्त में की जाती है। अत: इसके पूर्व एक फसल उड़द, बरबटी या फ्रेंचबीन की ले सकते हैं। डिंडोरी जिले में इस फसल को कुटकी की फसल लेने के बाद भी लेने की संभावना है। परंतु इसके लिये यह आवश्यक होगा कि पहली फसल की बुआई मई के अंत में या जून के प्रथम सप्ताह तक पूरी हो जानी चाहिए, क्योंकि देर से बुआई करने पर रामतिल की बुआई में देरी होगी जिसका उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

उन्नत किस्में

अच्छी उपज लेने के लिए उपयुक्त किस्म का चयन किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। भूमि एवं बोने के समय के अनुसार उपयुक्त किस्म का चुनाव करना चाहिए। अखिल भारतीय समन्वित तिल एवं रामतिल अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनेक उन्नत किस्मों की अनुशंसा की गई है। डिंडोरी क्षेत्र के लिये अनुशंसित किस्म के प्रमुख गुण एवं लक्षण तालिका में प्रस्तुत हैं।

नींदा नियंत्रण

रामतिल फसल में पहली निंदाई - गुड़ाई बुआई के 15-20 दिन बाद करना चाहिए। यदि आवश्यक है तो दूसरी निंदाई -गुड़ाई बुआई के लगभग 35 - 40 दिन बाद करें। यह कार्य खड़ी फसल में नत्रजन के छिड़काव से पहले कर लेना चाहिए। रामतिल की फसल से डिण्डोरी क्षेत्र में अमरबेल की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। जिसके कारण कृषक बंधु इसकी खेती को छोड़ रहे है परंतु अनुसंधान के आधार पर रसायनिक दवा के उपचार से अमरबेल का समूल नाश किया जा सकता है। इसके लिए नींदानाशक दवा पेन्डीमिथालीन 0.75 से 1.5 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा लासो दानेदार 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए।

कटाई एवं गहाई

रामतिल की फसल किस्मानुसार 90 से 120 दिनों के बीच पककर तैयार हो जाती है। जब पौधे की पत्तियां सूखकर गिरने लगे एवं फली का शीर्ष भाग भूरे एवं काले रंग का दिखने लगे तब फसल की कटाई करें। कटाई में देर करने पर बीज झड़ने का डर रहता है। कटाई के उपरांत पौधों को बंडल में बांधकर खेत में खुली धूप में एक सप्ताह तक सुखाकर गहाई करनी चाहिए।

आय - व्यय

परम्परागत तरीके से फसल लगाने से उपज 50 से 200 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है। जिससे कुल आमदनी 2250 से 9000 रु. होती है। उन्नत काश्त तकनीक अपनाकर खेती करने से औसत उपज 500 से 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होगी जिससे कुल आय 20,000 से 25000 रु. तक प्राप्त होगी।

बीज दर

शुद्ध फसल हेतु 5 से 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

फसल को बीज एवं मिट्टी जनित रोग के संभावित आक्रमण को टालने के लिए बीजोपचार आवश्यक है। थायरम या केप्टान नामक दवाई की 3 ग्राम मात्रा से एक किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए। बुआई के 12 घंटे पूर्व फास्फोरस घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर उपचारित कर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए, इससे उत्पादन में वृद्धि होती है।

बुआई विधि

सामान्यत: रामतिल की बुआई छिड़काव पद्धति से की जाती है इससे प्रति क्षेत्र में वांछित पौध संख्या नहीं मिल पाती है। इसकी अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए कतार से बुआई करना चाहिए एवं एक कतार से दूसरे कतार के बीच में 30 से.मी. (1 फीट) का अंतर होना चाहिए। बुआई के पूर्व एक भाग बीज को 20 भाग रेत या भुरभुरी गोबर खाद या राख के साथ मिलाकर बुआई करना चाहिए। इससे प्रति इकाई क्षेत्र में वांछित पौधा संख्या प्राप्त होगी एवं पौध छंटाई का कार्य नहीं करना पड़ता।

उर्वरक एवं खाद

रसायनिक उर्वरकों में नत्रजन 10 किलोग्राम, स्फुर 20 किलोग्राम एवं पोटाश 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई के समय डालना चाहिए। बुआई के 30 से 35 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा भूमि में नमी उपलब्ध पर डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पौंड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखांकन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां

स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं।

फल पौध रोपण

फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार

इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति

यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।

आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन

जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोमेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उनकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना

यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

मूडीज ने घटाई अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग, कर्ज और महंगाई से बढ़ी आम जनता की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अमेरिका की रेटिंग एएए से घटाकर 1 कर दी है। 1917 के बाद यह पहली बार हुआ है जब मूडीज ने अमेरिका को उसके 'परफेक्ट क्रेडिट स्कोर' से वंचित किया है। इससे संकेत मिलता है कि अब अमेरिका का कर्ज पहले जितना सुरक्षित नहीं माना जा रहा।

यह फैसला फिच (2023) और S&P (2011) की पहले की गई रेटिंग कटौती के बाद आया है। अब तीनों बड़ी रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका को एएए से नीचे रेट किया है।

मूडीज के मुताबिक, अमेरिका का बढ़ता कर्ज और उस पर ब्याज अब गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिका का वित्तीय बोझ समान रेटिंग वाले अन्य देशों से कहीं ज्यादा हो गया है। भविष्य में उधारी की बढ़ती जरूरत अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक दबाव बनाए रखेगी। हालांकि मूडीज ने अमेरिका के लिए स्थिर आउटलुक बरकरार रखा है लेकिन फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों से यह स्थिरता खतरे में भी पड़ सकती है।

रेटिंग गिरने के बाद अमेरिका में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। व्हाइट हाउस प्रवक्ता कुश देसाई ने इसके लिए बाइडन प्रशासन की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी अमेरिका को फिर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वन बिग ब्यूटीफुल बिल÷ ला रही है। इस बिल में सरकारी खर्चों में कटौती, अनावश्यक योजनाओं को खत्म करने और बर्बादी रोकने की योजना है।

एलन मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी ने सरकारी खर्चों को घटाने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है और USAID जैसी संस्थाओं के बजट में कटौती की गई है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन के टैक्स कट और सोशल स्कीम में कटौती जैसे प्रस्ताव लंबे समय में अमेरिका के कर्ज को 3.3 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ा सकते हैं।

अब शेयर बाजार में उतरेंगे ग्रामीण बैंक, बड़ी योजना का तैयारी में केंद्र सरकार

बिजनेस डेस्क। सरकार अब क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेशकों और आम जनता के भरोसे को मजबूत करने के लिए उन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध (लिस्ट) कराने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य इन बैंकों को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और निवेश योग्य बनाना है। केंद्र सरकार चाहती है कि वर्ष 2027 तक कम से कम पांच आरआरबी को शेयर बाजार में लिस्ट कराया जाए। ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने के लिए सरकार पहले ही One State, One

RRB नीति लागू कर चुकी है। इसके तहत देशभर के कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का आपस में विलय किया गया है। इस प्रक्रिया के बाद आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। नवीनतम विलय 1 मई 2025 से प्रभाव में आया, जिसके बाद अब 29 आरआरबी, भारत के 26 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में काम कर रहे हैं। ये बैंक अब देशभर में 22,000 से अधिक शाखाओं के माध्यम से लगभग 700 जिलों में ग्रामीण जनता को सेवाएं दे रहे हैं।

सरकार का उद्देश्य है कि ये बैंक सिर्फ ग्रामीण स्तर पर ही सेवाएं न दें, बल्कि पारदर्शी और भरोसेमंद वित्तीय संस्थान के रूप में विकसित होकर आम निवेशकों के लिए भी आकर्षक बनें। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, हम चाहते हैं कि आरआरबी को निवेशकों और आम जनता दोनों के लिए भरोसेमंद संस्थान के रूप में प्रस्तुत किया जाए। यदि ये बैंक लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा।

एमएसएमई को सस्ते लोन की योजना फिर हो सकती है शुरू, कम ब्याज पर मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। एमएसएमई निर्यातकों के लिए कर्ज पर सब्सिडी स्कीम फिर शुरू की जा सकती है। सरकार इस पर विचार कर रही है। दिसंबर 2024 में इस स्कीम को बंद कर दिया गया था। लेकिन अमेरिका के इंपोर्ट टैरिफ लगाने और ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता को देखते हुए इसे फिर शुरू किया जा सकता है। इससे निर्यातकों को सस्ता लोन मिल सकेगा।

अभी निर्यातकों को बैंकों से 8 से 12 प्रतिशत तक ब्याज पर कर्ज मिलता है। एमएसएमई के लिए ब्याज की दर कई बार इससे भी अधिक हो जाती है। भारतीय रूस्स्ब्ध को चीन से कंपटीशन करना पड़ता है, जहां उद्यमियों को 2 से 3 प्रतिशत ब्याज पर लोन मिल जाता है।

भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है। अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात चल रही है। एक्सपोर्टर्स का कहना है कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन देना जरूरी है।

निर्यातक सरकार से कई बार इस स्कीम को एक्सटेंड करने की मांग कर चुके हैं। पिछले बजट में जब स्कीम के विस्तार का जिक्र नहीं किया गया तो निर्यातक संगठनों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अलग से इसके लिए आग्रह किया।

उससे पहले निर्यातक संगठन फियो के तत्कालीन अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा था कि इस योजना को आगे बढ़ाने पर सकारात्मक रूप से विचार करना चाहिए। चीन में ब्याज दर 2-3 प्रतिशत है और इससे उनके निर्यातकों को काफी मदद मिलती है।

उन्होंने इस स्कीम में क्रेडिट लिमिट भी बढ़ाकर 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने की मांग की थी। उनका कहना था कि प्रति कंपनी 50 लाख रुपये की सीमा लगाने से अनेक एमएसएमई प्रभावित हुए हैं। सब्सिडी नहीं मिलने के कारण वे नए ऑर्डर पर निर्णय लेने में असमर्थ हैं।

पहली बार इसकी अवधि पांच साल के लिए यानी 31 मार्च 2020 तक थी। उसके बाद इसका कई बार विस्तार किया गया। आखिरी बार सितंबर 2023 में इसे दिसंबर 2024 तक बढ़ाया गया था।

इस योजना के तहत 10 में से लगभग 8 बेनिफिशियरी एमएसएमई ही थे। इस स्कीम में एमएसएमई को 3 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी मिलती थी। निर्यातकों को प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट के लिए रुपये में एक्सपोर्ट क्रेडिट पर सब्सिडी मिलती थी। इसकी निगरानी का जिम्मा विदेश व्यापार महानिदेशालय और आरबीआई के पास था। स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही एक सर्वे रिपोर्ट में बताया कि इस सेक्टर को जरूरत से 24 प्रतिशत कम कर्ज मिल रहा है। यह क्रेडिट गैप लगभग 30 लाख करोड़ रुपये का है। सिडबी के सर्वे में सबसे अधिक 22 प्रतिशत ने कर्ज मिलने को सबसे बड़ी चुनौती बताया।

वर्ष 2023-24 के एनुअल सर्वे ऑफ अन-इनकॉरपोरेटेड सेक्टर एंटरप्राइजेज के अनुसार देश में 7.34 करोड़ एमएसएमई हैं। उद्यम रजिस्ट्रेशन वाले उपक्रमों में 98.64 प्रतिशत माइक्रो, 1.24 प्रतिशत स्मॉल और 0.12 प्रतिशत मीडियम है। इनमें लगभग 26 करोड़ लोग काम करते हैं।

सिडबी के अनुसार, देश के ग्रॉस वैल्यू एडेड में एमएसएमई की हिस्सेदारी 2020-21 में 27.3 प्रतिशत थी। यह 2021-22 में 29.6त्न और 2022-23 में 30.1 प्रतिशत हो गई। इस दौरान एमएसएमई निर्यात में भी काफी वृद्धि हुई है। इनका निर्यात 2020-21 के 3.95 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 12.39 लाख करोड़ रुपये हो गया।

निर्यात करने वाले एमएसएमई की संख्या भी बढ़ी है। यह 2020-21 में 52849 थी, जो 2024-25 (मई 2024 तक) 173350 हो गई। भारत के कुल निर्यात में एमएसएमई का योगदान 2022-23 में 43.59 प्रतिशत, 2023-24 में 45.73 प्रतिशत और 2024-25 में 45.79 प्रतिशत रहा है। वर्ष 2025-26 के बजट में निर्यातक एमएसएमई को क्रेडिट गारंटी के लिए लोन की लिमिट बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दी गई थी।

सिबिल खराब होने पर भी मिल जाएगा पर्सनल लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। सिबिल स्कोर की रेंज 300 से 900 के बीच होती है। जितना ज्यादा अच्छा सिबिल स्कोर या क्रेडिट स्कोर होगा, लोन मिलने में भी उतनी ही आसानी होगी। अगर बेहतर सिबिल स्कोर होता है तो कई चीजों में आसानी आती है। लेकिन खराब सिबिल स्कोर होने पर उधार मिलने में परेशानी आ सकती है।

हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि लोन मिल ही नहीं सकता। चलिए अब उन तरीकों के बारे में बात करते हैं, जिसके जरिए खराब सिबिल स्कोर होने पर भी लोन मिल सकता है।

ज्वाइंट लोन का लें सहारा- ज्वाइंट लोन के माध्यम से आप खराब क्रेडिट स्कोक के बावजूद लोन पा सकते हैं। हालांकि जिसे भी आप अपना पार्टनर बना रहे हैं, उसका सिबिल स्कोर अच्छा होना बहुत जरूरी है। ज्वाइंट लोन के तहत आपका लोन बोझ भी कम होता है। इस तरह से आप कम क्रेडिट स्कोर होने पर भी लोन पा सकते हैं।

छोटे फाइनेंशियल संस्थान खराब क्रेडिट स्कोर होने पर भी लोन मुहैया करा देते हैं। हालांकि ये संस्थाएं ऐसी स्थिति में ब्याज दर ज्यादा लेती हैं।

सिक्योर्ड लोन- आप सामान्य बैंकों से गोल्ड पर लोन ले सकते हैं। इसके लिए कोई भी बैंक मना नहीं करेगी। गोल्ड के अलावा आप अन्य सिक्योर्ड लोन का ऑप्शन चुन सकते हैं। बैंक अक्सर अनसिक्योर्ड लोन के मुकाबले सिक्योर्ड लोन आसानी से देती हैं।

इसके साथ ही अगर कम अमाउंट का लोन लें, तो भी इसके मिलने के चांस बढ़ जाते हैं। वहीं अगर आप बैंक को ये दिखा सकते हैं कि आपके पास एक स्थिर इनकम है, तो भी आपको लोन मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड सेफ्टी नेट के साथ निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के बाजार में, जहां अनिश्चितता ही एकमात्र स्थिरता है, इस सोच ने नए सिरे से इन्वेस्टिंग के तरीकों को बदला है। क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्होंने बाजार में अपनी जगह बनाई है। ये वित्तीय रूप से मजबूत होते हैं, लगातार मुनाफा देते हैं, साफ-सुथरा इनका कॉर्पोरेट गवर्नेंस होता है, साथ ही अनुभवी नेतृत्व होता है।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग में निरंतरता का मतलब ग्रोथ का त्याग नहीं है। इसके विपरीत, क्वालिटी कंपनियां आम तौर पर सस्टेनेबल अर्निंग देती हैं और कैपिटल को बेहतर तरीके से इन्वेस्ट करती हैं। हालांकि, ये रातोंरात लाभ नहीं दे सकती हैं, लेकिन ये समय के साथ वैल्यू को लगातार बढ़ाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्वालिटी इन्वेस्टिंग लॉन्ग-टर्म रिटर्न को बनाए रखने के लिए उचित कीमत पर खरीदारी पर भी जोर देती है।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड की एक प्रमुख ताकत फ्लेक्सिबिलिटी है। फंड मैनेजर किसी एक सेक्टर या कंपनी के साइज तक सीमित नहीं होते। वे लार्ज-कैप, मिड-कैप और चुनिंदा स्मॉल-कैप स्टॉक्स में जाते हैं, जो इस बात पर आधारित होते हैं कि असली क्वालिटी कहां है। इसका मतलब है कि निवेशक कोर थीम पर से ध्यान हटाए बिना डायवर्सिफिकेशन से लाभ उठाते हैं।

इसके अलावा, ऐसे फंडों पर काफी रिचर्स किया जाता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक चयन सॉलिड मैट्रिक्स पर आधारित है रिटर्न ऑन इक्विटी, रिटर्न ऑन इन्वेस्टेड कैपिटल, फ्री कैश फ्लो और पूरे बिजनेस का हेल्थ। अभी, कई क्वालिटी वाले स्टॉक अन्य निवेश शैलियों की तुलना में हाल ही में अंडरपरफॉर्मेंस के कारण उचित वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। यह निवेशकों के लिए आकर्षक कीमतों पर हाई-क्वालिटी वाले बिजनेस में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर देता है। नीतिगत बदलावों से लेकर जियोपॉलिटिकल टेंशन तक वैश्विक चुनौतियों के जल्द ही खत्म होने की संभावना नहीं है। ऐसे में क्वालिटी-फोकस पोर्टफोलियो एक संतुलित वाहन की तरह काम करता है।

क्वालिटी म्यूचुअल फंड सिर्फ रिटर्न ही नहीं देते बल्कि भरोसा भी देते हैं। वे कुछ ऐसा हैं जो लंबे समय तक चलता है। यह शोध से प्रेरित है, अनुशासन पर आधारित और निवेशक की दीर्घकालिक दृष्टि के साथ जुड़ा है।

अगले हफ्ते आएगा इस ऑटो कंपोनेंट कंपनी का आईपीओ, इंग्लैंड से लेकर जापान तक करती है सप्लाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज का अगले हफ्ते आईपीओ आने वाला है। यह पब्लिक ऑफर 21 मई को खुलकर 23 मई को बंद होगा। कंपनी ने कहा है कि एंकर इन्वेस्टर्स के बोली लगाने के लिए 20 मई की तारीख तय की गई है।

इस आईपीओ से कंपनी का 2150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इसके लिए इसने 85 से 90 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार आईपीओ से जुटाई गई रकम से 1618 करोड़ रुपये वह कर्ज लौटाने में इस्तेमाल करेगी। दिसंबर 2024 में कंपनी पर 2600 करोड़ रुपये का कर्ज था।

बेलराइज इंडस्ट्रीज टू व्हीलर, थ्री व्हीलर, फोर व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल और खेती में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के लिए कई तरह के सेफ्टी सिस्टम बनाती है। कंपनी की वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक यह मेटल फैब्रिकेशन के साथ पॉलीमर, टू-व्हीलर के मिरर, सस्पेंशन और सब-असेंबली की भी मैन्युफैक्चरिंग करती है।

भारत में बेचने के अलावा यह अपने प्रोडक्ट ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया, इंग्लैंड, जापान और थाईलैंड को निर्यात भी करती है। इसके ग्राहकों में बजाज ऑटो, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, जगुआर लैंडरोवर और रॉयल एनफील्ड मोटर्स भी शामिल हैं।

कंपनी की इस समय 17 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका रेवेन्यू 7484.24 करोड़ और प्रॉफिट 310.18 करोड़ रुपये था। उससे एक साल पहले रेवेन्यू 6582.50 करोड़ और प्रॉफिट 313.66 करोड़ रुपये था। कंपनी ने आधा इश्यू क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल खरीदारों के लिए रिजर्व रखा है। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत शेयर हैं। बाकी 15त्न शेयर नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखे गए हैं। इन्वेस्टर्स को कम से कम 166 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा।

अपना बिजनेस शुरू करने का सुनहरा मौका, पीएम जन औषधि का रजिस्ट्रेशन फिर खुला

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम जन औषधि योजना की ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा हुई है। इस पोस्ट के जरिए जनता को सूचित किया गया है कि जन औषधि योजना का रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू हो गया है। इस योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति मेडिकल दुकान शुरू करता है, तो उसे सरकार की तरफ से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अपना जन औषधि केंद्र खोलकर आत्मनिर्भर बनें और सस्ती दवाइयों के माध्यम से समाज की सेवा करें। कम निवेश में ज़्यादा लाभ और समाज के लिए सस्ती दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

अगर आप जन औषधि योजना के तहत बिजनेस शुरू करते हैं, तो दवाई की एमआरपी पर 20 फीसदी का मुनाफा मिलता है। मसलन मान लीजिए एक दवाई का स्ट्रिप की कीमत 100 रुपये है, तो इसे बेचने पर आपको 20 रुपये का लाभ मिल जाएगा।

इसके साथ ही एसटी/एससी, महिलाओं और दिव्यांगजन को इस स्कीम के तहत ज्यादा फायदे मिल सकते हैं। इसके अलावा अगर इस योजना के तहत कोई दवा घर हिमालय या नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट में खोला जाता है, तो सरकार की तरफ से 2 लाख रूपये का इंसेंटिव प्रदान किया जाएगा।

इसके बिना नहीं मिलेगा लाभ- वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक अगर आप जन औषधि परियोजना में अप्लाई करना चाहते हैं, तो डी फार्मा या बी फार्मा की डिग्री होना जरूरी है। अगर आपके पास इन दोनों में से कोई भी डिग्री नहीं है, तो ऐसे व्यक्ति को दुकान में रखना होगा, जिसके पास ये डिग्री उपलब्ध हो।

कंपनियों को मिली बड़ी राहत, टल गया जीएसटी फाइलिंग में होने वाला ये बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी व्यवस्था में जीएसटीआर-3 बी रिटर्न फाइल करने वालों को फिलहाल एक राहत मिली है। रजिस्टर्ड कंपनियां अनरजिस्टर्ड और कंपोजीशन टैक्स वालों को जो बिक्री करती हैं, वह मासिक रिटर्न में टेबल 3.2 में दिखता है। इसे लॉक किया जाना था, लेकिन जीएसटी नेटवर्क ने कहा है कि फिलहाल इस पर अमल टाल दिया गया है।

जीएसटी नेटवर्क ने 11 अप्रैल को कहा था कि अप्रैल महीने की त्तस्ज्ञक्र-3क्चरिटर्न फाइलिंग में इंटर-स्टेट सप्लाई के आंकड़े अपने आप (ऑटो पॉपुलेट) दिखेंगे और उन्हें बदला नहीं जा सकेगा। शुक्रवार को जारी एडवाइजरी में इसने कहा कि इस बदलाव के बारे में टैक्सपेयर्स की तरफ से कुछ प्रजेंटेशन दिए गए। अभी उनकी स्टडी की जा रही है और आने वाले समय में उनका समाधान किया जाएगा।

जीएसटी नेटवकने कहा, टैक्सपेयर्स की सुविधा के लिए यह निर्णय लिया गया है कि टेबल 3.2 फिलहाल एडिटेबल रहेगा (अर्थात उसमें संशोधन किया जा सकेगा)। टैक्सपेयर्स को सलाह दी जाती है कि जरूरत होने पर ऑटो-पॉपुलेटेड एंट्री में संशोधन करें और सही रिटर्न फाइल करें।

जीएसटीआर-3बी फॉर्म के टेबल 3.2 में अनरजिस्टर्ड लोगों, कंपोजीशन टैक्सपेयर और यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर वालों को इंटर-स्टेट सप्लाई की जानकारी होती है। कंपनियां जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-1 में इंटर-स्टेट सप्लाई की जानकारी देती हैं, वही टेबल 3.2 में ऑटो-पॉपुलेट होती है।

टैक्स कंसल्टेंसी फर्म एकेएम ग्लोबल के पार्टनर संदीप सहगल के अनुसार, जीएसटी नेटवर्क का यह कदम अनेक कंपनियों के लिए राहत की बात है। पहले कहा गया था कि टेबल 3.2 में दिखने वाली वैल्यू को अप्रैल 2025 के रिटर्न से बदला नहीं जा सकेगा। इसके टलने से खास कर रिटेल, एफएमसीजी, हॉस्पिटैलिटी और ईकॉमर्स सेक्टर की कंपनियों को तैयारी का समय मिल जाएगा। इन सेक्टर में अनरजिस्टर्ड खरीदारों को बिक्री आम बात है। हालांकि एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के पार्टनर रजत मोहन के अनुसार अंतिम समय में किया गया यह बदलाव नीतिगत अस्थिरता को दर्शाता है। इससे अनिश्चितता का वातावरण बनता है। उन्होंने कहा, जब कंपनियां बीआरपी में संशोधन करती हैं और पूरे संस्थान के स्तर पर कंप्लायंस स्ट्रक्चर में बदलाव करती हैं, तो रिटर्न फाइलिंग से ठीक पहले उसे बदलना बहुत मुश्किल हो जाता है।

रेलवे स्टॉक में जबरदस्त तेजी, 6% से ज्यादा आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन के शेयर में आज अच्छी खासी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दोपहर लगभग 2 बजे इसके शेयर्स में 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अभी खबर लिखते समय में इसके शेयर में 5.91 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है।

बीएसई पर दोपहर 2.44 बजे आईआरएफसी के शेयर की कीमत 6 फीसदी से ज्यादा उछली है। अभी इसके एक शेयर का दाम 138.15 रुपये चल रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में भी इसके शेयर में 6.17 फीसदी की बढ़त देखी गई है।

आईआरएफसी के चौथी तिमाही के रिजल्ट में पिछली तिमाही की तुलना में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1666.99 करोड़ रुपये रहा है। जो इससे पहले वाली तिमाही यानी तीसरी तिमाही में 1627.62 करोड़ रुपये था।

हालांकि अगर इसकी वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही से तुलना की जाए, तो इसमें कमी आई है।

अन्ना मुझिचुक ने जीता फीडे महिला ग्रां प्री का खिताब पर चीन की झू जिनर नें बनाई कैंडिडैट में जगह

ग्रॉसलोबमिंग, ऑस्ट्रिया (एजेंसी)। 2024-2025 फीडे महिला ग्रां प्री का अंतिम चरण ऑस्ट्रिया के ग्रॉसलोबमिंग में समाप्त हुआ और इसके साथ ही छह टूर्नामेंटों की इस प्रतिष्ठित श्रृंखला का समापन हुआ। यूक्रेन की अन्ना मुझिचुक ने ऑस्ट्रिया चरण में पहला स्थान साझा करते हुए टूर्नामेंट तो जीत लिया, लेकिन यह जीत उन्हें 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं रही।

पूरे ग्रां प्री श्रृंखला के अंकों को जोड़ने पर चीन की झू जिनर ने पहला स्थान हासिल कर कैंडिडेट्स का टिकट पक्का किया, जबकि दूसरा स्थान रूस की अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना को मिला और इस तरह अगले कैंडिडैट में इन दोनों का स्थान पक्का हो गया है । अन्ना मुझिचुक कुल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहीं।

अंतिम राउंड का रोमांच

अन्ना मुझिचुक के पास आखिरी राउंड में भारत की वैशाली रमेशबाबू के खिलाफ जीत दर्ज कर ग्रां प्री श्रृंखला और कैंडिडेट्स स्थान दोनों हासिल करने का मौका था। फ्रेंच डिफेंस में खेले गए इस मुकाबले में अन्ना ने एक प्यादा जीतकर 'ए' फाइल पर पासर बना लिया और धीरे-धीरे दबाव बनाना शुरू किया। लेकिन एंडगेम में उन्होंने सही दिशा में खेल नहीं बढ़ाया और मुकाबला ड्रॉ हो गया।

वहीं, झू जिनर भी अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक के खिलाफ मुकाबले में एक समय पूरी तरह से हार की कगार पर थीं, लेकिन कोस्टेनियुक की चूक ने उन्हें बराबरी करने का मौका दे दिया। यह ड्रॉ झू के लिए निर्णायक साबित हुआ, जिससे उन्होंने ग्रां प्री का खिताब और कैंडिडेट्स स्थान दोनों पक्का कर लिया।

वैशाली रमेशबाबू का प्रदर्शन

भारत की उम्मीदों का दारोमदार वैशाली रमेशबाबू पर था। टूर्नामेंट की शुरुआत उन्होंने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ शानदार ढंग से की थी, लेकिन अंतिम पांच राउंड में वह केवल 1.5 अंक ही जोड़ सकीं। अंतिम राउंड में अन्ना मुझिचुक के खिलाफ ड्रॉ कर उन्होंने उन्हें टूर्नामेंट में एकल जीत से रोक जरूर दिया, पर खुद 4.5/9 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

समापन समारोह में विश्वनाथन आनंद ने भी शिरकत की और भारत में शतरंज के उभार पर चर्चा करते हुए कहा संरचना, संस्कृति और प्रयास यही भारत की सफलता के तीन स्तंभ हैं। उन्होंने महिला शतरंज में और प्रगति की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आज लखनऊ को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हैदराबाद के खिलाफ जीत की जरूरत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने 'करो या मरो' मैच में जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश बड़े अंतर से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बार फिर से शुरू हो रही इस लीग में एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत अब तक के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर बल्ले से भी लय हासिल करना चाहेंगे।

पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह प्रतिष्ठा के लिए खेलेगी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के नाम 11 मैचों में 10 अंक है लेकिन नेट रन रेट माइनस 0.469 है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे अपने बचे हुए तीनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना होगा। सनराइजर्स के कुछ खिलाड़ियों के लिए लय हासिल करने का एक अच्छा मौका होगा खासकर नीतीश कुमार रेड्डी और ईशान किशन जैसे खिलाड़ी भारत ए के इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ उपयोगी पारियां खेलना चाहेंगे।

लखनऊ की टीम के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के बाद वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से 128 रन ही बनाए है। यह इतना निराशाजनक है कि चीजों में यहां से सुधार की ही उम्मीद की जा सकती है। पंत का नाम भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तानी के लिए चर्चा में है।

आईपीएल एक अलग प्रारूप है, लेकिन वह इंग्लैंड दौरे की टीम और कप्तान तथा उप-कप्तान जैसी बड़ी घोषणा से ठीक पहले कुछ अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। पंत के लिए यह मजबूरी वाला ब्रेक इससे बेहतर समय पर नहीं आ सकता था क्योंकि इससे इस खिलाड़ी को अपने खेल के विश्लेषण करने का अच्छा मौका मिला होगा। लखनऊ की टीम हालांकि अपने मुख्य बल्लेबाज निकोलस पूरन (410 रन) से भी एक बार फिर से अच्छा प्रदर्शन चाहेगी। वह शुरुआती पांच-छह मैचों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के बाद वह प्रभावित करने में नाकाम रहे।

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद – पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिच क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिन्दु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स – ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, शमार जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

समय – शाम 07.30 बजे।

उनकी कप्तानी बिल्कुल सटीक रही है

बांगर ने आईपीएल 2025 में रजत पाटीदार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में रजत पाटीदार के बढ़ते प्रभाव को आरसीबी के पूर्व मुख्य कोच और जियोस्टार विशेषज्ञ संजय बांगर ने प्रशंसा की है जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के दौरान दाएं हाथ के इस खिलाड़ी के संयमित नेतृत्व और परिपक्वता पर प्रकाश डाला।

पाटीदार की दोहरी भूमिका के बारे में बात करते हुए बांगर ने जियोहॉटस्टार पर टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी यह सिर्फ गेंदों की संख्या के बारे में होता है। यदि शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो आपके मौके सीमित हैं। साथ ही, शीर्ष प्रदर्शन करने वालों से घिरे होने का मतलब है कि आपको तीन या चार विफलताओं को बहुत अधिक नहीं पढ़ना चाहिए।

टी20 क्रिकेट की अप्रत्याशित प्रकृति के बावजूद पाटीदार बल्ले और अपनी सामरिक कौशल दोनों के साथ अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं। बांगर ने कहा, %रजत ने जिम्मेदारी को बहुत अच्छे से निभाया है। उनकी कप्तानी शानदार रही है। उन्होंने बल्ले से इस सीजन की शुरुआत दमदार तरीके से की और जब भी उन्होंने क्रीज पर समय बिताया, उन्होंने प्रभावित करना जारी रखा। टी20 में आप कुछ मौकों पर चूक जाते हैं - यह प्रारूप की प्रकृति है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को किया बर्खास्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की श्रृंखला में शामिल नहीं होंगे। इस श्रृंखला से हैरी ब्रूक कप्तान के तौर पर अपने एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करेंगे। मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की की तुलना में टी20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है।

मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाए रखने में मददगार होती है। उन्होंने कहा, 'इस दृष्टिकोण के तहत इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और प्रदर्शन के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही मैच वाले दिनों में ड्रेसिंग रूम को अव्यवस्थित होने से बचाने के लिए सहायक कर्मचारियों की संख्या में कमी की गई है।

वास्तव में इंग्लैंड का दृष्टिकोण भारत के विपरीत रहा है, जहां राहुल द्रविड़ के युग में डेटा पर अधिक जोर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खिलाड़ी अपने स्तर पर विश्लेषकों की सलाह ले सकते हैं लेकिन उन्हें अंतर्मन पर अधिक भरोसा करने की सलाह दी जाएगी।

चिन्नास्वामी में बारिश के बीच आया कबूतरों का झुंड, फैंस ने कोहली को किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश से भीगी शाम को प्रकृति ने विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को एक काव्यात्मक विदाई दी। आरसीबी और कोलकाता के बीच आईपीएल 2025 के हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले, सफेद कबूतरों का झुंड उड़ा, जो कोहली की लाल गेंद की विरासत को श्रद्धांजलि सा प्रतीत हुआ। स्टेडियम में प्रशंसक भावुक हो उठे, लेकिन बारिश ने टॉस में देरी कर दी और मैच के धुलने का खतरा बढ़ा दिया। कोहली के लिए श्रद्धांजलि टी-शर्ट और नारों के बीच, बारिश ने भले ही खेल रोका, लेकिन प्रशंसकों का जोश और कोहली का उत्सव अटल रहा।

ऐसी ही अंक तालिका की स्थिति- आरसीबी अब रद्द मुकाबले से एक नंबर लेकर अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। उनके अब 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 17 प्वाइंट हो गए हैं। वहीं, गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 8 जीत और 16 प्वाइंट के साथ दूसरे नंबर पर है।

सूर्यकुमार यादव का यह आईपीएल सीजन उनके सर्वश्रेष्ठ सीजन में से एक है : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने आईपीएल 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ियों हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को टीम में वापसी का श्रेय दिया। दिग्गज क्रिकेटर ने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर फ्रैंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बहुमुखी बल्लेबाज सूर्यकुमार का यह आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन है।

भारत के टी20 कप्तान ने 12 मैचों में 510 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक शामिल है। मुंबई के इस बल्लेबाज के पास फिलहाल ऑरेंज कैप है, जबकि गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन (509 रन) और शुभमन गिल (508 रन) शीर्ष स्थान पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं जो सूर्यकुमार से सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम की शुरुआत खराब रही और उसने सीजन के अपने पहले मैचों में चार गेम गंवाए। हालांकि पांच बार के चैंपियन ने फिर से वापसी की और लगातार छह मैच जीते लेकिन बारिश से प्रभावित मैच में गुजरात टाइटंस से तीन विकेट से हार गए। 12 खेलों में 14 अंकों के साथ मुंबई के पास दो गेम शेष रहते प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने का एक मजबूत मौका है।

मांजरेकर ने कहा, मुझे यकीन नहीं है कि उनका अभियान पटरी से उतर जाएगा, भले ही रयान रिकेल्टन और विल जैक जैसे कुछ विदेशी खिलाड़ी संभावित रूप से प्रमुख खेलों के लिए अनुपलब्ध हों। वे खिलाड़ियों को सही भूमिकाओं में ढालने में कामयाब रहे हैं। शुरुआत में, वे थोड़े अनिश्चित दिखे लेकिन अब उन्हें स्पष्टता मिल गई है। सूर्यकुमार यादव अपने सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन में से एक खेल रहे हैं। और जब उच्च दबाव की स्थिति की बात आती है, तो मुंबई के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पनपते हैं, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और यहां तक ??कि रोहित शर्मा, उनके हालिया फॉर्म के बावजूद।

एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025

निहाल सरीन का रजत पदक, वंतिका अग्रवाल ने दिखाई दमदार चुनौती

अल ऐन, संयुक्त अरब अमीरात (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में सम्पन्न हुई एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने ओपन वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, वहीं महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल ने आखिरी राउंड में जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान की दौड़ में दमदार चुनौती दी।

निहाल सरीन का शानदार प्रदर्शन – ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने टूर्नामेंट के अंतिम राउंड में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की तरह खेलते हुए, लीड कर रहे ईरान के लरूबर्दिया दानेशवर को हराया और 7/9 अंकों के साथ बराबरी पर पहुँच गए। हालांकि दोनों खिलाड़ियों के अंक समान रहे, लेकिन टाइब्रेक स्कोर (प्रतिद्वंद्वियों की औसत रेटिंग) के आधार पर बर्दिया दानेशवर को स्वर्ण और निहाल सरीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह निहाल के करियर का एक और शानदार उपलब्धि रहा और उन्होंने अगले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल की चुनौती – महिला वर्ग में भारत की वंतिका अग्रवाल ने अंतिम राउंड में मंगोलिया की नेता बाट-एर्डेने मुंगुन्जुल को हराकर जोरदार वापसी की और शीर्ष पर पहुँच गई।हालांकि, चीन की ढूरूसोंग युशिन, उज्बेकिस्तान की गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा को सिर्फ 32 चालों में मात देकर आगे निकल गईं। चार खिलाड़ियों के बीच समान अंक रहने के बाद टाइब्रेक स्कोर के आधार पर सोंग युशिन को स्वर्ण, मंगुन्जुल को रजत और बाला-बाएवा को कांस्य पदक मिला।

प्रज्ञानानंदा नें सुपरबेट क्लासिक शतरंज का खिताब जीतकर रचा इतिहास

बुखारेस्ट, रोमानिया (एजेंसी)। भारत के 19 वर्षीय ग्रांडमास्टर प्रज्ञानानंदा आर ने सुपरबेट चैस क्लासिक का जीतकर अपना पहला ग्रांड चेस टूर खिताब हासिल कर लिया है। एक बेहद रोमांचक तीन-तरफा टाइब्रेक में उन्होंने फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा और मैक्सिम वाचिए-लाग्राव को पीछे छोड़ते हुए यह खिताब अपने नाम किया। यह इस वर्ष उनका दूसरा बड़ा खिताब है और इसके साथ ही उन्होंने फीडे सर्किट 2025 में अपनी शीर्ष स्थिति को और मजबूत किया है और एक तरह से अगले कैंडिडैट के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है । 7 से 16 मई तक बुखारेस्ट में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में विश्व के 10 शीर्ष ग्रांडमास्टर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अंकतालिका में करीबी मुकाबला देखने को मिला और कोई स्पष्ट लीडर नहीं था। परंतु नौवें राउंड में अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ निर्णायक जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने बढ़त बना ली।

फाइनल राउंड का रोमांच – अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा ने लेवोन अरोनियन के खिलाफ एक आसान ड्रॉ खेलकर कम से कम संयुक्त पहले स्थान की गारंटी कर ली थी। फेवियानों कारुआना को विश्व चैंपियन डी गुकेश के खिलाफ जीत की जरूरत थी, परंतु वह काले मोहरों से कोई मौका नहीं बना सके और मुकाबला ड्रॉ रहा।

वहीं दूसरी ओर अलीरेज़ा फिरोज़ा ने मेजबान देश के बोगदान-डैनियल डैक के खिलाफ बेहद जोखिम उठाते हुए खेला। डैक ने 52वीं चाल पर बड़ी चूक कर दी, और फिरोज़ा ने पूरा अंक हासिल कर लिया। इसी तरह मैक्सिम वाचिए-लाग्राव ने पोलैंड के जान-क्रिज़्स्टॉफ डूडा की एक गलती का लाभ उठाते हुए जीत दर्ज की।

टाईब्रेक में दिखा प्रज्ञानानंदा का कमाल

प्रज्ञानानंदा, फिरोज़ा और एमवीएल के बीच चैंपियन तय करने के लिए 5 मिनट + 2 सेकंड की बढ़त के साथ एक राउंड–रॉबिन टाइब्रेक खेला गया। पहला मुकाबला अलीरेज़ा और प्रज्ञानानंदा के बीच गिउको पियानो ओपनिंग में खेला गया, जो संतुलित खेल के बाद ड्रॉ रहा। दूसरे मुकाबले में एमवीएल और फिरोज़ा ने भी अंक बाँटे, जहाँ फिरोज़ा ने काले मोहरों से कैरो–कैन डिफेंस में शानदार बचाव किया निर्णायक मुकाबला प्रज्ञानानंदा बनाम वाचिए–लाग्राव के बीच हुआ। एंडगेम में वाचिए–लाग्राव ने पहले बराबरी का मौका गंवाया और फिर कुछ चालों बाद निर्णायक भूल कर बैठे। प्रज्ञानानंदा ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया।

यह जीत न केवल प्रज्ञानानंदा के करियर की एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह दर्शाता है कि वह अब विश्व शतरंज के शिखर पर स्थायी रूप से जगह बना चुके हैं। ग्रांड चैस टूर जैसे मंच पर उनकी यह जीत भारतीय शतरंज के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण है।

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने अंतिम दो राउंड में 1.5 अंक बनाते हुए अंतिम समय में अंक तालिका में सातवाँ स्थान हासिल करते हुए टूर्नामेंट का समापन किया ।

बाबिल की कंट्रोवर्सी पर बोले अमित साध

फिल्म 'पुणे हाइवे' को लेकर अमित साध इन दिनों चर्चा में हैं। बग्स भार्गव कृष्णा और राहुल दाकुन्हा ने इस फिल्म को निर्देशित किया है। अमित साध के अलावा इस फिल्म में जिम सरभ भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म को लेकर ही अमित साध ने बातचीत की। अपने करियर से जुड़ी कई बातें भी साझा कीं। साथ ही बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी पर भी अपनी राय रखी।

बाबिल के बारे में ये कहा

अमित साध का मानना है कि जिंदगी किसी के लिए भी आसान नहीं है। बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी से वह इस बात को जोड़ते हैं। अमित साध कहते हैं, 'क्या हुआ उसने एक पोस्ट ही तो की है, अभी वो बच्चा है। जो लोग उसे टारगेट कर रहे हैं, वो खुद को देखें कि उन्होंने क्या कांड किए हैं। मैं जानता हूं कि बाबिल खान का परिवार उसके साथ खड़ा है, उसको सपोर्ट कर रहा है, उसे प्यार दे रहा है। देखिएगा, वह शानदार कमबैक करेगा। मैं भी उसके साथ काम करना चाहता हूं, फिल्म करना चाहता हूं, उसे बताना चाहता हूं कि वह कितना स्पेशल है।' बताते चलें कि कुछ दिन पहले इरफान खान के बेटे बाबिल खान की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह रोते दिखे और बॉलीवुड के कुछ सेलिब्रिटी को फेक बताते नजर आए। इसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। एक दिन बाद बाबिल की टीम ने सफाई दी कि उन्हें एंग्जायटी अटैक पड़ते हैं और उनकी बातों का गलत मतलब लिया गया है। इस कारण से बाबिल को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया।

अमित बोले मैं भी बहुत कमजोर था

अमित साध यह भी बताते हैं कि जब आप इस इंडस्ट्री में आते हैं तो आपको तैयार रहना चाहिए कि लोग आपको जज करेंगे। वह कहते हैं, इस बात का असर आपके ऊपर हो सकता है, आप अलग-अलग तरह की चीजें सोचने पर मजबूर हो जाते हैं, गिरने की तरफ बढ़ने लगते हैं। लेकिन अगर आपके आसपास लोग ऐसे हैं, तो आपको सपोर्ट करते हैं तो आप बच जाते हैं। मैं भी बहुत कमजोर इंसान था, मुझे जल्दी ठेस पहुंच जाती थी। हां, अब मैं काफी मजबूत हूं। मेरी जिंदगी में अच्छे लोग आए, उनकी सलाह मैंने मानी।

फिल्म 'पुणे हाइवे' की क्या है कहानी

अमित साध की फिल्म 'पुणे हाइवे' की बात करें तो यह एक थ्रिलर ड्रामा है। इसमें तीन दोस्त हैं, जो एक मर्डर होने के बाद अलग-अलग तरह से प्रभावित होते हैं। फिल्म में अमित साध, जिम सरभ के अलावा स्मिता डोगरे, स्वप्निल अजगांवकर और मंजरी फडणीस जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

उर्फी जावेद ने बताई कान के रेड कार्पेट की सच्चाई

78वां कान फिल्म फेस्टिवल चल रहा है। 13 मई से शुरू हुआ यह फेस्टिवल 24 मई तक चलेगा। यहां दुनियाभर की फिल्मों का प्रीमियर होता है तो सिने जगत की चर्चित हस्तियां रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती हैं। इस साल उर्वशी रौतेला, नितांशी गोयल जैसी अभिनेत्रियों ने कान में हिस्सा लिया है। उर्फी जावेद भी कान फिल्म फेस्टिवल में जाने वाली थीं, लेकिन उनका वीजा रिजेक्ट हो जाने के कारण वे हिस्सा नहीं ले पाईं। हाल ही में उन्होंने कान के रेड कार्पेट पर चलने के लिए टिकट खरीदारी के बारे में बात की।

कान में जाना काबिलियत पर आधारित नहीं उर्फी जावेद ने कान फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी एक सच्चाई बताई है। उन्होंने कहा कि कान जाने का अवसर आपकी काबिलियत पर आधारित नहीं है। ब्रांड्स रेड कार्पेट के लिए टिकट खरीदते हैं और उन्हें अपने ब्रांड का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिग्गज फिल्मी हस्तियों/ इन्फ्लुएंसर्स को देते हैं। उर्फी ने आगे कहा कि कोई निजी तौर पर भी टिकट खरीद सकता है।

फिल्म का प्रीमियर बड़ी उपलब्धि

उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसे लेकर नोट लिखा है। उन्होंने आगे लिखा, निजी तौर पर भी कान के रेड कार्पेट पर चलने के लिए टिकट खरीदे जा सकते हैं। कान के रेड कार्पेट पर चलना कोई उपलब्धि नहीं है, मेरे लिए भी नहीं। यह खुद के प्रमोशन का एक अवसर है। यही सच्चाई है, जो मैंने यहां बताई। जब तक कि आपकी फिल्म का प्रीमियर इस फेस्टिवल में नहीं हो रहा हो यह कोई उपलब्धि नहीं। हां, फिल्म का यहां प्रीमियर होना उपलब्धि है। रेड कार्पेट पर चलने के लिए आप टिकट खरीद सकते हैं अगर आपके पास पैसा है। इसके अलावा ब्रांड्स भी आपको स्पॉन्सर कर सकते हैं।

उर्फी को मिला था मौका, लेकिन...

बीते दिनों उर्फी जावेद ने खुलासा किया कि वे कान 2025 में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मुझे इंडे वाइल्ड के जरिए कान जाने का मौका भी मिला था (दीपा खोसला और क्षितिज कांकरिया को बहुत-बहुत धन्यवाद) लेकिन जैसा मेरी किस्मत में लिखा था, मेरा वीजा रिजेक्ट हो गया। मैं कुछ मजेदार आउटफिट आइडिया पर काम कर रही थी, लेकिन वीजा रिजेक्ट होने के बाद मैं और मेरी टीम बेहद निराश हो गई है।'

पलक तिवारी ने बताया रोमियो एस 3 में काम करने का अनुभव

अभिनेत्री पलक तिवारी की एक्शन फिल्म रोमियो एस 3 सिनेमाघरों में रिलीज के हो गई है। इस बीच उन्होंने अपने किरदार से जुड़ी खास बातों के साथ ही बताया कि फिल्म में काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। पलक ने बताया कि पत्रकार बनने के लिए उन्होंने कैसे तैयारी की। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक मजबूत पत्रकार का किरदार निभाना पलक के करियर में एक नया अध्याय जोड़ता है। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्होंने तैयारी कैसे की। उन्होंने बताया, यह मेरे लिए बहुत अहम था। मैंने इस किरदार को निभाने के लिए बहुत स्टडी की और यह समझा कि असली पत्रकार कैसे काम करते हैं, खासकर मुश्किल हालात में। मैंने स्क्रीन पर वही गंभीरता और लगन दिखाने की कोशिश की। मैं चाहती हूं कि दर्शक फिल्म में मनोरंजन का आनंद लें। मेरा नया अंदाज दर्शकों को पसंद आएगा।

पलक तिवारी ने बताया, मैं इस फिल्म में एक निडर और जिज्ञासु पत्रकार का किरदार निभा रही हूं, जो हमेशा अपने उसूलों पर कायम रहती है। यह रोल मुझे इसलिए अच्छा लगा क्योंकि पेन स्टूडियोज और जयंतीलाल गड़ा जी का सपोर्ट था, जिससे मुझे इस रोल को निभाने का विश्वास मिला। इसके साथ ही पलक ने एक्शन और थ्रिलर फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को भी शेयर किया। उन्होंने बताया, यह अनुभव काफी मजेदार रहा, यह मेरे लिए नया और सेट पर जो माहौल था, वो बहुत प्रेरित करने वाला था। पेन स्टूडियोज जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने से यह और भी खास हो गया। पलक ने बताया कि गुड्डू धनोवा के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। उन्होंने बताया, सर के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा। वह बहुत क्लियर हैं अपनी सोच में और पूरे काम को आसान और मजेदार अंदाज में पेश करते हैं। पेन स्टूडियोज के साथ काम करने का अनुभव शानदार था।

परफॉर्मेंस से पहले होती थी घबराहट, अब रहती हूं उत्साहित

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन ने बात करते हुए बताया कि पहले स्टेज पर जाने से पहले उन्हें घबराहट महसूस होती थी, लेकिन समय के साथ उन्होंने इसे कैसे काबू करना सीखा है। श्रुति हासन ने अपने सफर के बारे में बताया कि भले ही परफॉर्मेंस से पहले की घबराहट अब भी बनी रहती है, लेकिन अब वह उस घबराहट को प्रेरणा और जोश का स्रोत मानती हैं।

जब श्रुति से पूछा कि क्या वह कभी परफॉर्मेंस से पहले नर्वस होती हैं, तो उन्होंने कहा, पहले मैं परफॉर्म करने से पहले बहुत नर्वस हो जाती थी, बहुत ज्यादा नर्वस। अब समय के साथ मैं बहुत बेहतर हो गई हूं, लेकिन फिर भी मुझे एक हल्की सी घबराहट, एक उत्साह का एहसास होता है। यह बस परफॉर्मेंस से पहले की घबराहट है, जिसे मैं बहुत अच्छा मानती हूं। यह मुझे प्रेरित करती है। लेकिन मैं हमेशा प्रैक्टिस के लिए समय जरूर निकालती हूं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि मेरा बैंड कभी-कभी थोड़ा परेशान हो जाता है क्योंकि मैं हमेशा ज्यादा प्रैक्टिस के लिए कहती रहती हूं। मुझे म्यूजिक के लिए रिहर्सल करना बहुत पसंद है, और मैं चाहती हूं कि जितना हो सके, उतना रिहर्सल करूं। हालांकि जब एक्टिंग की बात आती है, तो मुझे बहुत ज्यादा प्रैक्टिस पसंद नहीं है। लेकिन म्यूजिक के मामले में मैं ज्यादा से ज्यादा रिहर्सल करने को तैयार रहती हूं, क्योंकि मैं इसे अपनी परफॉर्मेंस का एक जरूरी हिस्सा मानती हूं। श्रुति हासन ने म्यूजिक जर्नी के बारे में कहा कि लाइव परफॉर्म करने के लिए उनके कुछ पसंदीदा गाने वॉश मी अवे बेहद खास हैं। यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। जब वह इस गाने पर लाइव परफॉर्म करती हैं, तो इसमें एक चुनौती भी होती है, क्योंकि हर शब्द को सही तरीके से गाने की जिम्मेदारी होती है। यह चुनौती एक मजा और आनंद का हिस्सा है। जब एक्ट्रेस से उनके पसंदीदा सिंगर के बारे में पूछा गया, तो श्रुति ने कहा कि उनका कोई एक पसंदीदा नहीं है। इसकी बजाय, उन्हें भारतीय शास्त्रीय संगीत से लेकर रॉक एंड रोल तक, हर प्रकार के संगीत में अलग-अलग आवाजों को सुनना पसंद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति हासन सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म कुली में नजर आएंगी।

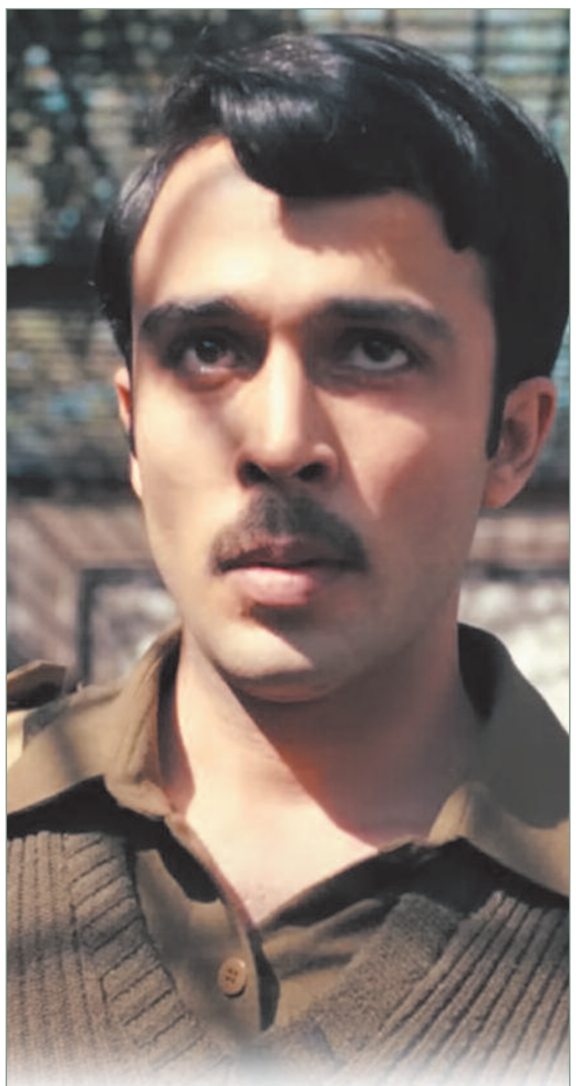

एक्टर जहान कपूर ने बताया नेपोटिज्म का मतलब

दिवंगत अभिनेता शशि कपूर के पोते जहान कपूर ने इस साल सीरीज ब्लैक वारंट में अपने किरदार से दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में जहान ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर बात की। जहान ने कहा कि उन्होंने अपने सरनेम को कभी हल्के में नहीं लिया। एक्टर ने कहा कि उन्हें इससे डर लगा। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सरनेम का फायदा क्यों नहीं उठाना चाहिए।

क्या है नेपोटिज्म का मतलब?

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवाने की नेटफ्लिक्स सीरीज ब्लैक वारंट में जेलर सुनील कुमार गुप्ता के किरदार में नजर आए। जहान ने नेपोटिज्म को अनुचित फायदा बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने सरनेम को कभी हल्के में नहीं लिया। जहान ने फिल्मफेयर से बातचीत में बताया कि नेपोटिज्म का क्या मतलब है? जहान के मुताबिक, यह एक अयोग्य, गैर-योग्यतापूर्ण लाभ है जो किसी को निजी इक्वेशन के कारण दिया जाता है।

सरनेम ने डरा दिया

जहान ने आगे कहा कि वास्तव में कपूर नाम और उसके बैगेज ने उन्हें काफी जरा दिया। उन्हें लगता कि उनके लिए अगर कोई दरवाजा खुला और उन्होंने मौके का पूरा फायदा नहीं उठाया, अगर वे तैयार नहीं हुए, या उनके पास अपने पैरों पर खड़े होने और आत्मविश्वास से मौके को पाने के साधन नहीं हुए तो वह सबसे बड़ा नुकसान होगा। जहान ने कहा, मतलब लाना है मुझ पर।

अपना नाम बनाने में 12 साल लग गए

जहान के मुताबिक मेरा नजरिया यही है कि क्यों मुझे सरनेम का फायदा नहीं उठाना चाहिए, बल्कि अपनी पूरी तैयारी करनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि मुझे कुछ मुफ्त में दिया गया हो। आपको लगता है कि यह आसान है? आपका नाम है। मुझे इसमें 12 साल लग गए।

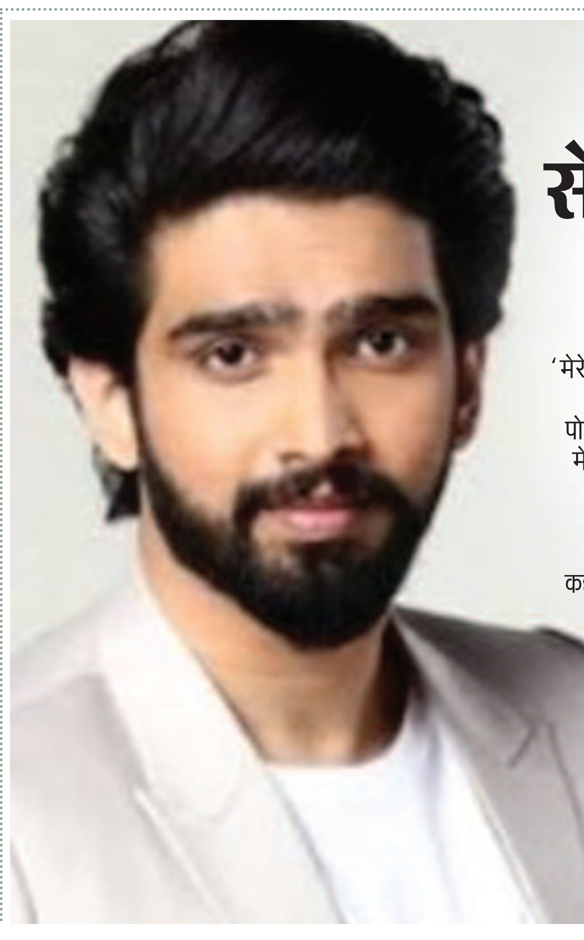

डिप्रेशन के बाद परिवार से रिश्ता तोड़ने पर अमाल मलिक ने तोड़ी चुप्पी

'मेरे माता-पिता को बहुत बुरा लगा था। लेकिन वो कोई गुस्से में लिखा गया पोस्ट नहीं था बल्कि लंबे समय से मन में चल रहीं भावनाओं को जाहिर करने का एक जरिया था।' बॉलीवुड सिंगर अमाल मलिक ने यह सारी बातें अपने डिप्रेशन के बाद वाले पोस्ट को लेकर कहीं। सिंगर ने बताया कि उनके परिवार का उस पर क्या रिएक्शन था। आखिर क्यों उन्होंने वो कदम उठाया था।

अमाल मलिक ने तोड़ी चुप्पी इंटरव्यू में अमाल मलिक ने इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ते हुए बताया है कि उनके परिवार में इसके बाद क्या-क्या हुआ। अमाल ने इंस्टव्यू में साफ किया कि यह कोई गुस्से में लिखा गया पोस्ट नहीं था, बल्कि उन्होंने लंबे समय से दबी हुई भावनाओं को जाहिर किया था। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम अपने दिल की बात सालों तक दबाए रखते हैं। मैं भी वैसा ही कर रहा था। मुझे लगा कि अब वक्त है उन्हें बाहर निकालने का।'

अमाल ने आगे कहा, 'लोग अक्सर सोचते हैं कि परिवार की बातें सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए, लेकिन कई बार सबसे करीब के लोग ही हमारी तकलीफ नहीं समझ पाते। मैं, अरमान, मम्मी-पापा, हम चारों एक मजबूत यूनिट हैं। लेकिन हर इंसान के अंदर एक संघर्ष होता है, जो बाहर से नजर नहीं आता। हो सकता है अरमान भी कुछ छुपा रहा हो, जैसे मैं कर रहा था।'

परिवार का क्या रिएख्शन?

इस भावनात्मक खुलासे के बाद सबसे बड़ा सवाल था कि क्या इससे अमाल के परिवार में दरार आ गई? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे माता-पिता थोड़े आहत जरूर हुए, लेकिन उन्होंने मेरी भावना को समझा। इस बातचीत ने हमें और करीब ला दिया है। हम एक-दूसरे से ज्यादा खुलकर बात करने लगे हैं।'

भाई अरमान से रिश्ते पर कही बड़ी बात

अरमान के बारे में पूछे जाने पर अमाल ने भावुक होकर कहा, 'मेरे और अरमान के रिश्ते को दुनिया जानती है। वो रिश्ता इतना मजबूत है कि कोई भी चीज उसे बदल नहीं सकती। हम दोनों के बीच जो प्यार है, वो हमेशा रहेगा।'

अमाल मलिक ने पोस्ट में क्या लिखा?

20 मार्च 2025 को कंपोजर-सिंगर अमाल मलिक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने लिखा, 'मैं अब ऐसी जगह पहुंच गया हूं, जहां मेरी शांति छीन चुकी है। इस वजह से मैं डिप्रेस हो गया हूं। इसके लिए मैं खुद को और अपने करीबी लोगों को दोष देता हूं। मैं भारी दिल से घोषणा करता हूं कि अपने करीबी लोगों से रिश्ते खत्म कर रहा हूं।' अमाल के इस पोस्ट के बाद उनके फैंस हैरान रह गए थे।

बोनी कपूर ने बताई सच्चाई, इस वजह से दिलजीत दोसांझ ने छोड़ी 'नो एंट्री 2

साल 2005 में आई बोनी कपूर के प्रोडक्शन तले बनी सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' के सीक्वल को लेकर पिछले काफी वक्त से चर्चाएं हो रही हैं। फिल्म की स्टार कास्ट भी फाइनल होने लगी थी। हालांकि, अब ताजा चर्चाएं ये हैं कि दिलजीत दोसांझ ने फिल्म से खुद को अलग कर लिया है। अब वो फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे क्रिएटिव डिफरेंस को वजह बताया जा रहा था। लेकिन अब निर्माता बोनी कपूर ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ किया है कि इस पूरे मामले में सच्चाई क्या है। दिलजीत के क्रिएटिव डिफरेंस के चलते फिल्म से बाहर होने की चर्चाओं पर निर्माता बोनी कपूर ने प्रतिक्रिया दी है और असली बात को बताया है। बोनी कपूर ने दिलजीत के फिल्म से खुद को अलग करने के बारे में हामी भरते हुए बताया कि हां, तारीखों को लेकर कुछ समस्याएं हैं। लेकिन निश्चित रूप से कोई रचनात्मक मतभेद नहीं है। यह बिल्कुल गलत है। हम तारीखों को लेकर पूरी कोशिश कर रहे हैं। बोनी कपूर ने साफ किया कि दिलजीत के पास डेट्स इश्यू आ रहे हैं, न कि क्रिएटिव मतभेद हैं।